RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

“खबरों से समझौता नहीं”

पटना, वर्षः 7 , अंकः 100 , रविवार, 24 मई 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

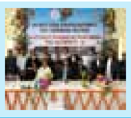

सेक्स ट्रैफिकिंग रोकथाम को लेकर संवेदनशीलता कार्यशाला आयोजित 03

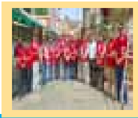

विश्व हिंदू परिषद नेपाल ने हिंदू पत्रकार एसोसिएशन को सौंपी 30 जैकेट 04

सोशल मीडिया पर छाया मेलोडी का खुमार, कृमि खरबंदा ने टॉफी ... 07

संक्षिप्त समाचार

आजम खान को फर्जी पैन कार्ड केस में बड़ा झटका

● कोर्ट ने 3 साल बढ़ाई सजा ! अब्दुल्ला आजम पर जुर्माना बढ़ाया

रामपुर (एजेंसी)। यूपी के पूर्व कैबिनेट मंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम खान को दो पैन कार्ड मामले में शनिवार को बड़ा कानूनी झटका लगा है। रामपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने आजम खान की सजा सात साल से तीन साल बढ़ाकर दस साल कर दी है। वहीं, बेटे अब्दुल्ला आजम की सजा सात साल बरकरार रखी है। दोनों पर जुर्माना जरूर बढ़ाया है। आजम खान पर पांच लाख और बेटे अब्दुल्ला पर साढ़े तीन लाख जुर्माना किया है। आजम और अब्दुल्ला

पहले से जेल में बंद हैं। रामपुर की सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता सीमा सिंह राणा ने इस बारे में बताया कि अब्दुल्ला आजम खान के दो पैन कार्ड बनाने के केस में पहले पिता पुत्र को नवंबर 2025 में कोर्ट ने सात-सात साल की कैद और 50-50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई थी। फैसले के बाद बचाव पक्ष ने सजा के खिलाफ अपील दाखिल की थी, जबकि अभियोजन पक्ष ने सजा बढ़ाने की मांग को लेकर एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट में अपील की थी। सजा बढ़ाने संबंधी अपील पर दोनों पक्षों की बहस पूरी होने के बाद कोर्ट ने शनिवार को फैसला सुनाया।

एक्ट्रेस ट्विशा का पति समर्थ 7 दिन की रिमांड पर

● पासपोर्ट जब्त करने के आदेश, आज दोबारा होगा पोस्टमॉर्टम

भोपाल (एजेंसी)। एक्ट्रेस-मॉडल ट्विशा शर्मा केस में आरोपी पति समर्थ सिंह को शनिवार को भोपाल जिला कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने समर्थ की 7 दिन की पुलिस रिमांड मंजूर कर ली। वहीं, ट्विशा के परिजनों की ओर से दिए गए आवेदन पर कोर्ट ने समर्थ का पासपोर्ट जब्त करने के भी आदेश दिए हैं। शुक्रवार देर रात करीब 2 बजे पुलिस समर्थ को जबलपुर से भोपाल लेकर पहुंची थी। उसे कटारा हिल्स थाने में रखा गया। थाने के बाहर बैरिकेडिंग कर फोर्स तैनात रही। कोर्ट में पेश करने से पहले पुलिस ने भोपाल के जेपी हॉस्पिटल में उसका मेडिकल टेस्ट भी कराया। मध्य

प्रदेश सरकार के अधिकारियों ने रविवार को पोस्टमॉर्टम कराने का अनुरोध किया है। कोर्ट ने एम्स दिल्ली के निदेशक को मेडिकल बोर्ड गठित करने की अनुमति दी थी। इसके बाद एम्स के फोरेंसिक विभाग प्रमुख डॉ. सुधीर गुप्ता ने निदेशक की मंजूरी से चार वरिष्ठ डॉक्टरों का मेडिकल बोर्ड बनाया है, जो पोस्टमॉर्टम करेगा। टीम अत्याधुनिक उपकरणों के साथ शाम 6 बजे राज्य सरकार के चार्टर्ड विमान से रवाना हुई और रात तक भोपाल पहुंची। इधर, ट्विशा शर्मा के आखिरी मेकअप का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इसमें वह ससुराल के पास स्थित एक ब्यूटी पार्लर में तैयार होती नजर आ रही है। वीडियो में वह सामान्य और रिलैक्स दिखाई दे रही है। पुलिस ने फुटेज जब्त कर लिया है। ब्यूटी पार्लर ट्विशा के ससुराल से करीब 100 मीटर दूर बताया गया है।

जम्मू-कश्मीर के जंगलों में छिपे हैं तीन आतंकी

● सुरक्षाबलों पर गोलीबारी की, सेना ने इलाका घेरा

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के राजौरी जिले में आतंकवादियों की मौजूदगी के इनपुट के बाद सुरक्षाबलों के साथ सेना ने बड़ा ऑपरेशन शुरू किया है। सुरक्षाबलों ने तीन आतंकवादियों को घेरा है। सुरक्षाबलों ने इस कार्रवाई को ऑपरेशन शेरवाली नाम दिया है। शनिवार को हलचल की सूचना के बाद इलाके में फोर्स की तैनाती के बाद ऐक्शन शुरू किया गया। राजौरी जिले में सुरक्षाबलों की मुठभेड़ जारी है। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार इलाके में दो से तीन आतंकवादियों की हलचल का संदेह था। व्हाइट नाइट कोर ने एक्स पर बताया कि आज सुबह करीब 11.30 बजे, पुलिस और सीआरपीएफ के साथ मिलकर किए गए एक खुफिया-आधारित संयुक्त

अभियान के दौरान, राजौरी के गंभीर मुगलन इलाके में आतंकवादियों से संपर्क स्थापित हुआ। उन्होंने बताया कि सैनिकों ने तुरंत कार्रवाई की।

● **पुलिस-सेना-सीआरपीएफ का ऐक्शन-** पीटीआई के अनुसार इलाके में संदिग्ध आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद दोरीमल-गंभीर मोगला इलाके में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया गया था। उन्होंने बताया कि पुलिस, सेना और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की एक संयुक्त टीम ने इलाके की घेराबंदी कर ली और बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने बताया कि घटनास्थल पर अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात कर दिए गए हैं। आखिरी रिपोर्ट मिली अभियान जारी था।

पीएम मोदी ने 51000 युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए

● कहा-देश की विकास यात्रा में अहम भागीदार बन रहे युवा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्र सरकार की नौकरियों के लिए 51,000 युवाओं को वर्चुअली नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर युवाओं को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आज 51,000 से

अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियों के लिए नियुक्ति पत्र प्राप्त हुए हैं। आप सभी देश की विकास यात्रा में महत्वपूर्ण और जिम्मेदार भागीदार बन रहे हैं। आप सभी रेलवे, बैंकिंग, रक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा और कई अन्य क्षेत्रों में नई जिम्मेदारियां संभालने जा रहे हैं।

● **स्टार्टअप्स और युवाओं के लिए नए वैश्विक अवसर-** भारत की बढ़ती वैश्विक भागीदारी पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि हर नई साझेदारी के साथ, हम भारतीय स्टार्टअप्स, शोधकर्ताओं और युवा पेशेवरों को दुनिया से जुड़ने के नए अवसर प्रदान कर रहे हैं। इससे भारतीय युवाओं को एडवांस्ड एक्सपर्टीज, वैश्विक बाजारों और विकास के नए अवसरों तक पहुंच मिलेगी। दुनिया उन देशों का सम्मान करती है जो बड़े पैमाने पर इनोवेशन करते हैं, निर्माण करते हैं और डिलीवरी देते हैं। भारत इन तीनों दिशाओं में तेजी से प्रगति कर रहा है, और इस बदलाव के पीछे सबसे बड़ी ताकत भारत के युवा हैं। मैं दुनिया में कहीं भी जाता हूं, वहां भारत की युवा शक्ति पर चर्चा करने में काफी समय बिताता हूं।

आ गई अमरनाथ से बाबा बर्फानी की पहली तस्वीर

● पवित्र गुफा में 6-7 फीट का शिवलिंग बना, यात्रा 3 जुलाई से

श्रीनगर (एजेंसी)। अमरनाथ यात्रा शुरू होने से पहले शनिवार को बर्फ से बने शिवलिंग (बाबा बर्फानी) की पहली तस्वीरें सामने आ गई हैं। तस्वीरों में दिख रहा है कि 6 से 7 फीट का शिवलिंग अपना आकार ले चुका है। इस दौरान सुरक्षा के लिए तैनात जवानों ने सबसे पहले शिवलिंग के दर्शन भी किए। अमरनाथ यात्रा इस साल 3 जुलाई 2026 से शुरू होकर 9 अगस्त 2026 तक चलेगी। रास्ते में सामान्य जगहों पर 6 से 8 फीट और हिमस्खलन वाले इलाकों में 10 से 12 फीट तक बर्फ जमी है। बालटाल मार्ग पर 9 किमी और नुनवान-पहलगाम मार्ग पर 8 किमी ट्रैक से बर्फ हटाई जा चुकी है। ट्रैक को 12 फीट चौड़ा करने, सतह सुधारने, रिटेनिंग वॉल और कल्वर्ट बनाने का काम भी चल रहा है। इस बार बेस कैंप में टेंट की जगह प्री-फैब्रिकेटेड और फाइबर स्ट्रक्चर बनाए जा रहे हैं।

इस बार बाढ़ वाली जगह पर कैंप नहीं लगाए जाएंगे

इस साल सभी संवेदनशील हिस्सों और आपदा की आशंका वाले स्थानों को तीर्थयात्रियों के लिए 'नो-एंट्री जोन' घोषित किया गया है। बालटाल और नुनवान रास्तों के दोनों ट्रैक को चौड़ा किया गया है। पुलों को भी बेहतर बनाया गया है। बादल फटने और अचानक बाढ़ की घटनाओं को देखते हुए संवेदनशील जगहों पर कैंप नहीं लगाए जाएंगे। इस साल की अमरनाथ यात्रा के लिए अब तक 3.6 लाख से ज्यादा श्रद्धालु रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। यात्रा मार्ग पर कई जगह अब भी 10 से 12 फीट तक बर्फ जमी है, लेकिन सीमा सड़क संगठन दोनों रास्तों पर तेजी से ट्रैक बहाल करने में जुटा है। अधिकारियों का दावा है कि 15 जून तक दोनों रास्ते पूरी तरह तैयार कर दिए जाएंगे। यात्रा 3 जुलाई से बालटाल-सोनमर्ग और पारंपरिक नुनवान-पहलगाम मार्ग से शुरू होगी। 57 दिन की यह यात्रा 28 अगस्त को रक्षा बंधन और सावन पूर्णिमा के दिन संपन्न होगी। रजिस्ट्रेशन 15 अप्रैल से शुरू हुए थे। 5 से 30 लोगों के ग्रुप में यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं के लिए रजिस्ट्रेशन बुधवार को बंद हो गए। हालांकि, अकेले या छोटे ग्रुप में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए स्लॉट खाली रहने तक रजिस्ट्रेशन जारी रहेंगे। रजिस्ट्रेशन पंजाब नेशनल बैंक, जम्मू-कश्मीर बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और यस बैंक की तय शाखाओं के जरिए हो रहा है। अधिकारियों को उम्मीद है कि इस साल यह संख्या 5 लाख के पार जा सकती है।

फिर लग गई 'ईंधन' की कीमतों में आग

● पेट्रोल 87 पैसे व डीजल 91 पैसे और महंगा ● पिछले नौ दिनों में दो बार हो चुकी है बढ़ोतरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। शनिवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 87-91 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई।

इस तरह पिछले 10 दिनों में ईंधन की दरों में कुल बढ़ोतरी लगभग 5 रुपये प्रति लीटर हो गई। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि सरकारी तेल कंपनियों ने अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों का बोझ ग्राहकों पर डाल दिया। कोलकाता, बेंगलुरु और हैदराबाद जैसे महानगरों में ईंधन की कीमतें सबसे ज्यादा रहीं। इन शहरों में ताजा बदलावों के बाद भी पेट्रोल और डीजल की कीमतें

ऊंचे स्तर पर बनी रहीं। ताजा बदलाव के बाद पूरे देश में पेट्रोल की कीमतों में 87 पैसे प्रति लीटर और डीजल की कीमतों में 91 पैसे प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी हुई है।

● **तेल की बढ़ी कीमतों के बाद देश के सबसे महंगे शहर-** हैदराबाद में पेट्रोल की कीमत 112.81 रुपये प्रति लीटर रही, जबकि डीजल की कीमत 100.94 रुपये प्रति लीटर थी। कोलकाता में पेट्रोल की कीमत में 94 पैसे की बढ़ोतरी हुई और यह 110.64 रुपये प्रति लीटर हो गया, जबकि डीजल की कीमत 95 पैसे बढ़कर 97.02 रुपये प्रति लीटर हो गई। बेंगलुरु में पेट्रोल की कीमत में 93 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी के बाद यह 108.05 रुपये प्रति लीटर हो गई, जबकि डीजल की कीमत 95 पैसे प्रति लीटर बढ़कर 95.99 रुपये प्रति लीटर हो गई। मुंबई में पेट्रोल की कीमतों में 90 पैसे की बढ़ोतरी हुई और यह 108.49 रुपये प्रति लीटर हो गया, जबकि डीजल की कीमत 94 पैसे बढ़कर 95.02 रुपये प्रति लीटर हो गई।

अबकी बार...जनता की कमाई पर किश्तों में लूटमार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोतरी की गई है। बीते 10 दिनों में तीसरी मौका है जब पेट्रोल-डीजल के भाव ऊपर गए हैं। पेट्रोल की कीमतों में 87 पैसे प्रति लीटर का इजाफा किया गया है, वहीं डीजल के रेट 91 पैसे प्रति लीटर बढ़ाए गए हैं। कांग्रेस

अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इस मुद्दे पर सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में असली संकट नेतृत्व का है और यह बात अब सभी देशवासी समझ चुके हैं। खरगे ने पोस्ट में कहा कि पेट्रोल अब हुआ 100 रुपये पार, अबकी बारज जनता की कमाई पर किश्तों में लूटमार। पेट्रोल-डीजल पर रोजाना 1000 रुपये करोड़ का केंद्रीय कर लगाकर भाजपा का पेट नहीं भरा। अंतरराष्ट्रीय दाम जब कम थे तब जनता को फायदा नहीं पहुंचाया, उन्हें जमकर लूटा।

बंगाल में अब टांगों वाले स्टैच्यू पर चला बुलडोजर

● *ममता से है कनेक्शन, शुभेन्दु सरकार का ऐक्शन*

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की बीजेपी सरकार ने शनिवार को कोलकाता के प्रतिष्ठित साल्ट लेक स्टेडियम के बाहर बड़ा ऐक्शन लिया है। सरकार ने स्टेडियम के बाहर स्थापित फुटबॉल-थीम वाली एक स्टेच्यू को बुलडोजर से तोड़ दिया गया है। यह मूर्ति पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा डिजाइन की गई थी। इसे साल 2017 में फीफा - 17 वर्ल्ड कप से पहले स्टेडियम के वीवीआईपी गेट के पास लगाई गई थी।

बकरीद की दो दिन छुट्टी को एक दिन में बदला- बंगाल में शुभेंदु अधिकारी की सरकार, ममता बनर्जी के तमाम फैसलों पर कैंची चलाने में जुटी है। इसी क्रम में पश्चिम बंगाल सरकार ने ईद की छुट्टी को लेकर बड़ा आदेश जारी किया है। इसके तहत 28 मई को बकरीद पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है।

हालांकि इस फैसले में ट्विस्ट है। ट्विस्ट यह है कि ममता सरकार में बकरीद पर 26 और 27 मई, दो दिन की छुट्टी घोषित थी लेकिन भाजपा के मुख्यमंत्री शुभेंदु सरकार ने इसमें बदलाव कर दिया है। अब बकरीद पर केवल एक दिन, यानी 28 मई को ही सार्वजनिक अवकाश रहेगा। बंगाल सरकार द्वारा जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक अब 26 और 27 मई को बंगाल के सभी ऑफिस, संस्थान और अन्य जगहों पर काम-काज होगा।

पीएम मोदी से मिले अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो

● कई मुद्दों पर बात, अमेरिका आने का भी दिया न्योता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत दौरे पर आए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले। इस दौरान कई अहम मुद्दों पर बातचीत हुई। मार्को रूबियो ने पीएम मोदी को व्हाइट हाउस आने का न्योता दिया। इस बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल सहित अन्य सीनियर अफसर भी मौजूद थे। मुलाकात के बाद पीएम मोदी ने एक्स पोस्ट में लिखा, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो का स्वागत करके मुझे खुशी हुई। हमने भारत-यूएस व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी में लगातार हो रही प्रगति और क्षेत्रीय तथा वैश्विक शांति और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका वैश्विक भलाई के लिए मिलकर काम करते रहेंगे। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने एक्स पर मीटिंग की फोटो शेयर की। उन्होंने लिखा, पीएम मोदी के साथ बैठक के लिए रूबियो के साथ शामिल होकर बहुत अच्छा लगा।

नई सरकार वाले 3 राज्यों में बड़े बदलाव की आहट

● तमिलनाडु सीएम विजय के काफिले के लिए अलग लेन ● केरलम में आशा वर्करों की सैलरी तीन हजार तक बढ़ाई

तिरुवनंतपुरम/चेन्नई/कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल से तमिलनाडु और केरलम तक नई सरकारों ने सत्ता संभालते ही प्रशासनिक और सियासी, दोनों स्तरों पर खुद को अलग दिखाने की कोशिश शुरू कर दी है। तमिलनाडु के सीएम विजय ने शुरुआती 12 दिन में अपने काफिले के लिए ट्रैफिक न रोकने का आदेश दिया है। महिला सुरक्षा के लिए 'सिंगप्पेन फोर्स' शुरू की है। सरकार ने हर थाने में 24 घंटे सीसीटीवी चालू रखने का निर्देश दिया है। शिकायत दर्ज कराने की वीडियो रिकॉर्डिंग होगी। इसके साथ ही 21 साल से कम उम्र वालों को शराब बेचने पर सख्त कार्रवाई होगी। केरलम में यूडीएफ की वीडी सतीशन सरकार ने सचिवालय व मंत्रियों के आवासों तक आम लोगों की पहुंच आसान कर दी। मंत्रियों को ऑफिस और घर दोनों जगह लोगों से मिलना होगा। वहीं पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार के मुखिया शुभेंदु अधिकारी ने भी पुलिस को निर्देश दिया है कि उनके काफिले के लिए आम वाहनों को न रोका जाए। शुभेंदु ने 9 मई को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी।

बंगाल :विधानसभा कार्यवाही का लाइव टेलीकास्ट होगा- बंगाल के सीएम शुभेंदु अधिकारी ने वीआईपी मूवमेंट व सरकारी कामकाज से जुड़ी व्यवस्थाओं में बदलाव के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अपने काफिले को छोटा रखने और अनावश्यक एस्कॉर्ट कम करने को कहा है। मंत्रियों और अधिकारियों को फील्ड विजिट के दौरान सड़कें खाली कराने या लोगों को रोकने से बचने की सलाह दी गई है। विधानसभा कार्यवाही का लाइव टेलीकास्ट होगा। एक जून से महिलाओं के लिए मुफ्त बस सेवा शुरू करने की तैयारी है।

तमिलनाडु

मुख्यमंत्री के लिए ट्रैफिक नहीं रुकता- सीएम विजय रोज सुबह सचिवालय पहुंचकर शाम तक रुकते हैं। घर से टिफिन लेकर पहुंचते हैं। सीएम का काफिला अलग लेन से गुजरता है, बाकी लेन में आवाजाही नहीं रुकती। 33 सदस्यीय कैबिनेट में 11 मंत्री 40 साल से कम और 32 नए मंत्री हैं। राज्यभर में मंदिरों, स्कूलों और बस स्टैंड के 500 मीटर दायरे में आने वाली 717 शराब दुकानों को बंद करने का आदेश दिया गया है।

केरलम

सीएम के साथ सिर्फ दो वाहन- केरलम में सीएम के काफिले में अब सिर्फ दो वाहन रखे गए हैं। मंत्रियों के सरकारी आवासों का लग्जरी रेनोवेशन नहीं होगा। सिर्फ जरूरी बदलाव ही किए जाएंगे। नए मंत्री पिछली सरकार में खरीदी लग्जरी गाड़ियों से दूरी बना रहे हैं। पिछली सरकार का सिल्वरलाइन सेमी हाईस्पीड रेल प्रोजेक्ट रद्द। पर्यावरण और विस्थापन को लेकर विरोध हुआ था। आशा वर्करों का मानदेय 3 हजार बढ़ाकर 12 हजार महीना। सतीशन सरकार ने देश का पहला आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) मंत्रालय गठित किया है। पीके कुन्हालीकुट्टी को इस विभाग का मंत्री बनया गया है। नई बैठक शुरू की गई है।

संक्षिप्त समाचार

6 घंटे में चोरी का खुलासा, सामान मिला, सूचना मिलते ही डायल 112 मौके पर पहुंची, पीछा कर 3 चोरों को पकड़ा

हाजीपुर। वैशाली में पुलिस ने चोरी की एक घटना का 6 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए 3 चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चोरों के पास से चोरी का सारा सामान भी बरामद कर लिया है। यह घटना बेलसर थाना क्षेत्र में हुई। जानकारी के अनुसार, बेलसर थाना क्षेत्र में तीन चोर एक घर में चोरी करने के लिए घुसे थे। इसी दौरान डायल 112 की टीम को सूचना मिली कि चोर चोरी कर रहे हैं। सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। हालांकि, पुलिस के पहुंचने से पहले ही चोर घर से निकल चुके थे। इसके बाद बेलसर थाना पुलिस ने चोरों का पीछा किया और एक चोर को धर दबोचा। उसकी निशानदेही पर लीची के बगीचे में छिपे बाकी दो चोरों को भी गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने तीनों चोरों से पूछताछ के बाद लीची के बगान में छिपाकर रखा गया चोरी का सारा सामान भी बरामद कर लिया। लालगंज एसडीपीओ गोपाल मंडल ने बताया कि चोरों के पास से चोरी की दो बाइक, पीतल के बर्तन और अन्य सामान बरामद किए गए हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि इन चोरों से पूछताछ के बाद चोरी के कई अन्य मामलों का भी खुलासा हो सकता है। फिलहाल, सभी गिरफ्तार चोरों को न्यायिक हिरासत में जेल भेजा जा रहा है।

दहेज के लिए नवविवाहिता की हत्या, 9 महीने पहले की थी लव मैरिज, ससुराल वाले फरार

हाजीपुर। वैशाली में 2 दिन पहले नवविवाहिता की हत्या मामले में आज FIR दर्ज हो गया है। पुलिस ने पीट-पीटकर और जहर देकर मर्डर मामले में पति, सास, ससुर और देवर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। घटना बालिगांव थाना क्षेत्र के भूसाही गांव की है। मृतका की पहचान 20 वर्षीय अमृता कुमारी के रूप में हुई है। उसकी शादी नौ महीने पहले भूसाही निवासी प्रमोद पंडित के बेटे मनीष कुमार से हुई थी। स्थानीय लोगों के अनुसार, अमृता और मनीष ने प्रेम विवाह किया था। मृतका की बड़ी बहन ने आरोप लगाया है कि शादी के बाद से ही अमृता को उसके पति मनीष और सास द्वारा दहेज के लिए प्रताड़ित किया जा रहा था। परिजनों के अनुसार, ससुराल वाले बुलेट मोटरसाइकिल की मांग कर रहे थे। परिजनों ने बताया कि दहेज की मांग पूरी न होने पर ससुराल वालों ने अमृता के मोबाइल फोन से उसके मायके वालों के सभी नंबर ब्लॉक कर दिए थे। इससे वे अमृता से संपर्क नहीं कर पा रहे थे। परिजनों का आरोप है कि गुरुवार देर रात अमृता की पीट-पीटकर और जहर देकर हत्या कर दी गई। घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने बालिगांव थाने की पुलिस को दी। पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और घटनास्थल से नमूने एकत्र करने के लिए एफएसएल टीम को भी बुलाया था।

प्रधानमंत्री 51 हजार से अधिक युवाओं को देंगे सरकारी नौकरी, 47 स्थानों पर होगा आयोजित

हाजीपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23 मई, 2026 को 19वें रोजगार मेले में 51 हजार से अधिक नवनियुक्त युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। यह कार्यक्रम सुबह 11 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित होगा, जहां प्रधानमंत्री नवनियुक्त कर्मियों को संबोधित भी करेंगे। यह रोजगार मेला प्रधानमंत्री की रोजगार सृजन को प्राथमिकता देने की प्रतिबद्धता के अनुरूप एक महत्वपूर्ण पहल है। रोजगार मेला शुरू होने के बाद से अब तक देश भर में आयोजित 18 मेलों के माध्यम से लगभग 12 लाख नियुक्ति पत्र जारी किए जा चुके हैं। 19वां रोजगार मेला देश भर के 47 स्थानों पर आयोजित किया जाएगा। इसमें चयनित उम्मीदवार केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में कार्यभार ग्रहण करेंगे, जिनमें रेल मंत्रालय, गृह मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग और उच्च शिक्षा विभाग शामिल हैं। इसी क्रम में, हाजीपुर में केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री और स्थानीय सांसद चिराग पासवान नवनियुक्त युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। यह समारोह पूर्व मध्य रेल मुख्यालय, हाजीपुर के वैशाली रेल प्रेक्षागृह में आयोजित किया जाएगा।

खेत से 311 लीटर विदेशी शराब बरामद, 12 कार्टन में रखा था अलग-अलग ब्रांड का दारू, कारोबारी फरार

हाजीपुर। वैशाली के गरौल थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक खेत से भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद की है। यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई, जिसमें 311 लीटर विदेशी शराब जब्त की गई। पुलिस को जानकारी मिली थी कि थाना क्षेत्र के सोंधो बासदेव गांव निवासी प्रमोद राय के खेत में बड़ी मात्रा में शराब छिपाई गई है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन किया गया, जिसने छापेमारी कर मक्के के खेत से विभिन्न ब्रांडों के दर्जनों कार्टन शराब बरामद किए। हालांकि, छापेमारी के दौरान खेत मालिक और मुख्य आरोपी प्रमोद राय पुलिस की गिरफ्त में नहीं आ सके। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, प्रमोद राय एक बड़ा शराब कारोबारी है और बड़े पैमाने पर शराब तस्करी में शामिल रहा है। गरौल थाना अध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि फरार कारोबारी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

कुख्यात अपराधी पकड़ने गई पुलिस टीम पर पथराव, हमला कर दो अपराधी फरार

हाजीपुर। वैशाली के लालगंज थाना क्षेत्र के मानपुर गांव में कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार करने गई पुलिस टीम पर हमला हुआ। इस दौरान पथराव किया गया, जिसमें थाना की एक गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई। हमले का फायदा उठाकर दो अपराधी मौके से फरार हो गए। लालगंज थानाध्यक्ष को सूचना मिली थी कि मानपुर गांव का कुख्यात अपराधी अभिनंदन अपने साथी राहुल के साथ अवैध हथियारों के साथ छिपा हुआ है। इसी सूचना पर पुलिस टीम देर रात मानपुर गांव पहुंची थी। ग्रामीणों ने पुलिस पर बेरहमी से पिटाई करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि पुलिस सादे लिबास में पहुंची थी और बिना इजाजत घर में घुसकर मारपीट करने लगी। महिलाओं ने पुरुष पुलिसकर्मियों द्वारा मारपीट का आरोप भी लगाया है। लालगंज एसडीपीओ ने ग्रामीणों के आरोपों को गलत बताया है। उन्होंने कहा कि पुलिस पर हमला करने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। सीडीपीओ गोपाल मंडल ने बताया कि लालगंज थाने को सूचना मिली थी कि कुख्यात अपराधी अभिनंदन कुमार उर्फ बसवरिया अपने साथी राहुल कुमार के घर पर अवैध हथियारों के साथ मौजूद है। इसी सूचना पर लालगंज थाना अध्यक्ष अपनी टीम के साथ घेराबंदी करने पहुंचे थे। मंडल के अनुसार, इसी दौरान दोनों अपराधियों के परिजन और ग्रामीण 20 से 25 की संख्या में इकट्ठा हो गए और पुलिस कार्रवाई का विरोध करने लगे। इस मौके का फायदा उठाकर दोनों अपराधी फरार हो गए और पुलिस टीम पर हमला किया गया। वैशाली पुलिस अधीक्षक को इसकी जानकारी दी गई, जिसके निर्देश पर एक टीम गठित कर अपराधियों के घरों में छापेमारी की गई। पुलिस पर पथराव करने के आरोप में मनोज राय, रमाशंकर कुमार, जयप्रकाश राय और श्रवण राय समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

बिहार बोर्ड 10वीं-12वीं कंपार्टमेंटल परीक्षा का रिजल्ट जारी

इंटरमीडिएट में 55.31% व मैट्रिक में 57.18% छात्र-छात्राएं हुए सफल

एजेंसी, पटना

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति की ओर से आज इंटरमीडिएट और मैट्रिक विशेष सह कम्पार्टमेन्टल परीक्षा का रिजल्ट जारी हो गया है। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी रिजल्ट जारी किया है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि इंटरमीडिएट में 55.31 % परीक्षार्थी पास हुए हैं। इसमें 59.29% छात्रा और 52.65% छात्र शामिल हैं। वहीं, मैट्रिक में 57.18% सफल हुए हैं। जिसमें 53.48% छात्रा है और 57.84% छात्र हैं। विद्यार्थी अपना परिणाम बोर्ड की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर चेक कर सकते हैं। बिहार बोर्ड इंटरमीडिएट कंपार्टमेंटल परीक्षा में 6498 शामिल हुए, जिसमें से 3711 पास हुए। जबकि

बिहार बोर्ड मैट्रिक कंपार्टमेंटल परीक्षा में 6034 शामिल हुए थे, 3450 पास हुए हैं।

मई में हुई थी कंपार्टमेंट परीक्षाः बिहार बोर्ड 10वीं कंपार्टमेंट परीक्षा 2026 का आयोजन 2 मई से 6 मई 2026 के बीच किया गया था। वहीं, 12वीं कंपार्टमेंट एग्जाम 2 से 11 मई तक हुआ था। परीक्षा 2 शिफ्ट में आयोजित हुई थी। पहली शिफ्ट की परीक्षा सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:45 बजे तक चली। दूसरी शिफ्ट की परीक्षा दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:15 बजे तक आयोजित की गई थी।

क्यों कराई जाती है कंपार्टमेंट बोर्ड परीक्षाः बिहार बोर्ड की ओर से आयोजित कंपार्टमेंट बोर्ड परीक्षा उन छात्रों के लिए कराई जाती है, जो मुख्य परीक्षा में एक या दो विषयों में सफल नहीं हो सके थे या किसी कारणवश नियमित परीक्षा में शामिल नहीं हो पाए थे। कंपार्टमेंट परीक्षा के जरिए छात्रों को एक और मौका दिया जाता है ताकि उनका शैक्षणिक वर्ष खराब न हो।

छात्र नेता दिलीप कुमार को मिली जमानत, 14 दिन बाद जेल से रिहा होंगे

एजेंसी, पटना

- बीपीएससी टीआरई-4 नोटिफिकेशन के लिए किया था आंदोलन

छात्र नेता दिलीप कुमार को पटना सिविल कोर्ट से जमानत मिल गई है। पिछले 14 दिनों से वे जेल में बंद थे, आज शाम में जेल से रिहा होंगे। पुष्टि उनके साथियों और उनके वकील ने की है। छात्र नेता दिलीप BPSC TRE-4 शिक्षक भर्ती परीक्षा के नोटिफिकेशन की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे थे। दिलीप कुमार के वकील जटाशंकर झा ने बताया आज दिलीप कुमार की जमानत स्वीकृत हो गई है, इसलिए आज वह बाहर आ जाएंगे। जमानत के बाद जो भी कागजी प्रक्रिया हैं वह पूरी कर ली गई है। न्यायालय की ओर से रिलीज ऑर्डर जारी कर दिया गया है। वकील ने बताया कि दिलीप कुमार पर धारा 121 (1) और 121 (2) लगी थी। जिसमें 10 साल की सजा का प्रावधान है। जिसके कारण इतना दिन विलंब हुआ। न्यायालय ने पुलिस से इस धारा के समर्थन में तमाम कागजात मांगे। न्यायालय ने कागजात देखने के बाद यह फैसला किया कि उन पर लगी धारा न्याय संगत नहीं है। जिसके बाद उन्हें जमानत दी गई। बिहार में BPSC TRE-4 (शिक्षक भर्ती परीक्षा) का विज्ञापन जारी करने की मांग को लेकर 8 मई को पटना की सड़कों पर हजारों छात्र और शिक्षक अभ्यर्थी उतरे थे। आंदोलन का नेतृत्व छात्र नेता दिलीप कुमार कर रहे थे। आंदोलन के दौरान पटना के गांधी मैदान इलाके में प्रदर्शनकारी छात्रों और पुलिस के बीच तीखी झड़प हुई थी। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज कर दिया था, जिसमें कई छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने छात्र नेता दिलीप कुमार को रस्सी से बांधकर हिरासत में लिया और फिर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया था।

विवाहिता की संदिग्ध मौत, ससुराल वालों पर दहेज हत्या का आरोप

एजेंसी, पटना

पटना सिटी के आलमगंज थाना क्षेत्र के बबुआगंज में एक 24 वर्षीय विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका की पहचान राधा कुमारी के रूप में हुई है। मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने और बेरहमी से हत्या करने का गंभीर आरोप लगाया है। मृतका की मां उर्मिला देवी ने बताया कि उन्होंने वर्ष 2022 में अपनी बेटी राधा की शादी मालसलामी निवासी विकास जायसवाल से की थी। शादी के बाद से ही ससुराल वाले लगातार दहेज की मांग कर रहे थे। परिजनों के अनुसार, राधा को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था। उसके साथ अक्सर मारपीट की जाती थी, जिसकी शिकायत राधा ने कई बार अपने मायके वालों से भी की थी। शुक्रवार शाम को ससुराल पक्ष ने उर्मिला देवी को फोन पर सूचना दी कि राधा की तबीयत खराब है और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जब मां और परिवार के

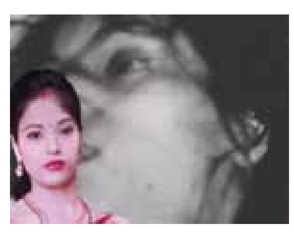

परिजन बोले- लड़के वाले लगातार मांग रहे थे दहेज

अन्य सदस्य अस्पताल पहुंचे, तब तक राधा की मौत हो चुकी थी और उनका शव वहां पड़ा था।

मृतका के शरीर पर कई जगहों पर गहरे जख्म और चोट के निशान पाए गए हैं। परिजनों का आरोप है कि ससुराल वालों ने राधा की निर्मम हत्या की है और मामले को दबाने के लिए बीमारी का बहाना बनाया। आलमगंज थाना प्रभारी ने बताया कि, 'पुलिस को घटना की जानकारी मिली है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।'

22 बीघा जमीन को लेकर बवाल, गुस्साई भीड़ ने कई गाड़ियां जलाईं, पुलिस पर भी पथराव किया

एजेंसी, पटना

पटना के दीदारगंज थाना क्षेत्र के निजामपुर इलाके में 22 बीघा विवादित जमीन की घेराबंदी को लेकर बीती रात हिंसक झड़प हो गई। गुस्साई भीड़ ने कई गाड़ियों में आग लगा दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस टीम पर भी पथराव किया गया। हालात बिगड़ते देख पुलिस को अस्थायी रूप से पीछे हटना पड़ा।

रेलवे लाइन किनारे कीमती जमीन पर विवादः स्थानीय ग्रामीणों के मुताबिक, रेलवे लाइन से सटे इस भूखंड को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। ग्रामीणों का दावा है कि यह जमीन एक मठ की है, जिस पर भू-माफिया जबरन कब्जा करना चाहते हैं। वहीं दूसरी ओर घेराबंदी करा रहा पक्ष जमीन पर अपना कानूनी अधिकार होने की बात कह रहा है। बताया जा रहा है कि शुक्रवार देर रात बड़ी संख्या में मजदूर और कर्मी जमीन की घेराबंदी करने पहुंचे थे। इसी दौरान ग्रामीणों का गुस्सा भड़क गया और विवाद हिंसक रूप ले बैठा।

लाठी-डंडों से हमला, कई राउंड फायरिंग का दावाः प्रत्यक्षदर्शियों और कामगारों के मुताबिक, सैकड़ों ग्रामीण अचानक मौके पर पहुंचे और लाठी-डंडों से हमला शुरू कर दिया। इस दौरान अफरा-तफरी मच गई। कई राउंड हवाई फायरिंग किए जाने की भी बात सामने आई है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। उग्र भीड़ ने वहां खड़े वाहनों को निशाना बनाते हुए आग लगा दी, जिससे कई गाड़ियां जलकर खाक हो गईं। स्थिति बिगड़ते देख मजदूर और निजी सुरक्षाकर्मी मौके से भाग निकले।

पुलिस पर भी पथरावः स्थानीय निवासी

इलाके में भारी तनाव

जितेंद्र कुमार ने बताया कि, रात के अंधेरे में जबरन घेराबंदी का प्रयास किया जा रहा था, जिसका ग्रामीणों ने विरोध किया। देखते ही देखते दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और हिंसक टकराव शुरू हो गया। घटना की सूचना मिलते ही दीदारगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची। हालात की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल भी बुलाया गया। लेकिन जांच के दौरान ग्रामीणों ने पुलिस को चारों तरफ से घेर लिया और पथराव शुरू कर दिया। अचानक हुए हमले के बाद पुलिस को पीछे हटना पड़ा।

पहले भी हो चुकी है हिंसाः बताया जा रहा है कि इस 22 बीघा जमीन को लेकर पहले भी कई बार दोनों पक्षों के बीच टकराव हो चुका है। फिलहाल इलाके में भारी पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है और उपद्रवियों की पहचान की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ताला तोड़कर पटना यूनिवर्सिटी के अंदर घुसे छात्र, सीनेट की बैठक के दौरान 3 घंटे हंगामा

एजेंसी, पटना

पटना यूनिवर्सिटी में आज सीनेट की बैठक के दौरान ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (AISA) के बैनर तले छात्रों ने प्रदर्शन किया गया। छात्र अपनी मांगों को लेकर 3 घंटे तक डटे रहे। प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस ने छात्रों को कैंपस से बाहर कर गेट पर ताला जड़ दिया था। छात्र और छात्राएं कॉलेज के गेट पर चढ़कर नारेबाजी करने लगे। पुलिसिया दमन बंद करो, PU हमारे-आपका, नहीं किसी के बाप का...के नारे लगे। थोड़ी देर में छात्रों ने गेट का ताला तोड़ दिया और कैंपस में घुस गए।

इसके बाद वे जयप्रकाश नारायण सभागार पहुंचे, यहां सीनेट की बैठक चल रही थी। इसके गेट पर पुलिस ने उन्हें रोक दिया। छात्र गेट पर बैठकर ही नारेबाजी करने लगे। मांगों को लेकर छात्रों ने भूख हड़ताल का ऐलान कर दिया और धरने पर बैठ गए। सीनेट की मीटिंग के बाद प्रॉक्टर और डीन ने छात्रों से मुलाकात की और उनकी मांगों को सुना। इसके बाद उन्होंने धरने पर बैठे छात्रों को लस्सी पिलाकर धरना खत्म करवाया। मांगों को जल्द पूरा करने का आश्वासन भी दिया। हंगामे के बीच सीनेट की बैठक में 535 करोड़ रुपए का बजट पास हुआ।

प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने क्या कहाः कॉलेज की छात्रा सबा आफरीन ने बताया, हम अपने कॉलेज की मीटिंग में अपने VC से मिलने आए हैं, लेकिन वो पुलिस को बुलाकर गेट बंद करवा रहे हैं। हमें हमारी ही यूनिवर्सिटी से बाहर किया जा रहा है। हम चाहते हैं सीनेटे के बजट में हमारे कामों के लिए पैसा अलॉट हो। फीस वृद्धि पर रोक लगाई जाए। यूनिवर्सिटी में पुलिसिया दमन भी बड़ा मुद्दा है। रात 10, 11 बजे पुलिस यूनिवर्सिटी में पुलिस घुस जाती है। छात्रों को पीटा जाता है। गोली मारने की धमकी दी जाती है।

तीन बच्चों के अपहरण की कोशिश नाकाम

एजेंसी, पटना

पटना जिले के पालीगंज अनुमंडल के इमामगंज थाना क्षेत्र स्थित मुगीला गांव में शुक्रवार देर रात तीन बच्चों के अपहरण की कोशिश का मामला सामने आया है। पुलिस की मुस्तैदी के कारण तीनों बच्चे सकुशल बरामद कर लिए गए। मासूमों की पहचान शंभू बिंद और अरविंद बिंद के बच्चे के रूप में हुई है। तीनों मुगीला गांव के रहने वाले हैं।

बच्चों को जबरन गाड़ी में बैठायाः जानकारी के अनुसार, मुगीला गांव के तीनों बच्चे शौच के लिए घर से बाहर निकले थे। इसी दौरान बोलेरो सवार अज्ञात बदमाशों ने उन्हें जबरन गाड़ी में बैठा लिया और अरवल की ओर भागने लगे। बताया जा रहा है कि पटना-अरवल बॉर्डर पर अतौलह गांव के पास किंजर थाना पुलिस वाहन चेकिंग अभियान चला रही थी। पुलिस को देखकर बदमाश घबरा गए और बच्चों को बीच सड़क पर छोड़कर फरार हो गए।

रोते हुए मिले बच्चे, ग्रामीणों ने दी सूचनाः सड़क किनारे बच्चों को रोते देख स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत इमामगंज थाना पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों बच्चों को सुरक्षित बरामद कर उनके परिवार को सूचना दी।

नशे की हालत में मिले बच्चे, एक अस्पताल में भर्तीः घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल

- पुलिस चेकिंग देख बदमाश बच्चों को छोड़कर भागे, फरार बोलेरो की तलाश में जुटी पुलिस

है। परिजनों का आरोप है कि तीनों बच्चे नशे की हालत में थे। एक बच्चे की तबीयत बिगड़ गई थी और उसके शरीर पर चोट के निशान भी मिले, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। परिवार वालों को आशंका है कि बदमाशों ने बच्चों को कोई नशीला पदार्थ खिलाया था। हालांकि पुलिस के डर से वे बच्चों को रास्ते में छोड़कर भाग निकले। मामले को लेकर इमामगंज थानाध्यक्ष रोशन कुमार ने बताया कि स्थानीय लोगों से सूचना मिली थी कि मुगीला गांव से तीन बच्चे गायब हुए हैं। पुलिस की तत्परता से तीनों बच्चों को सकुशल बरामद कर लिया गया है।

महावीर मंदिर तैयार कर रहा 1000 किलो चने का सतू

एजेंसी, पटना

नीट परीक्षा 21 जून को आयोजित होने वाली है। इसे लेकर बड़ी संख्या में छात्र पटना जंक्शन पहुंचेंगे और वहीं से परीक्षा केंद्र पर जाएंगे। गर्मी को देखते हुए महावीर मंदिर की ओर से 1000 किलो चना के सतू का शर्बत तैयार किया जाएगा। सतू का शर्बत पिलाने की व्यवस्था मंदिर के आसपास की जाएगी। नैवेद्यम लड्डू के प्रभारी आर शेषाद्री की देखरेख में व्यवस्था होनी है।

महावीर मंदिर सेवा कार्यों के लिए जाना जाता महावीर मंदिरः श्री महावीर स्थान न्यास समिति के सचिव सायण कुणाल ने कहा कि महावीर मंदिर सेवामूलक कार्यों के लिए जाना जाता है। चाहे अयोध्या का राम रसोई हो या सीतामढ़ी का सीता रसोई हो या फिर चाहे महावीर मंदिर का दरिद्र नारायण भोजन हो। अब महावीर मंदिर की ओर से नीट परीक्षार्थियों के लिए सतू का शर्बत की पिलाने की व्यवस्था की जा

- गर्मी से राहत के लिए नीट परीक्षार्थियों को पिलाया जाएगा शर्बत, मंदिर के आसपास होगी व्यवस्था

रही है। महावीर मंदिर का मानना है कि नीट परीक्षार्थी विभिन्न जगहों से गर्मी में आएंगे। ठंडा सतू का शर्बत पिलाकर उन्हें गर्मी से राहत दिलाने की कोशिश की जाएगी। जिससे उन्हें गर्मी से राहत मिले और वे परीक्षा केंद्र में एकाग्रचित होकर परीक्षा दे सकें। 3 मई को NEET-UG-2026 की परीक्षा हुई। पेपर लीक के कारण परीक्षा रद्द कर दी गई थी।

13 करोड़ की सिंचाई योजना का शिलान्यास डिप्टी सीएम विजय चौधरी ने किया कार्यारंभ

एजेंसी, पटना

बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने शनिवार को पटना जिले के पालीगंज अनुमंडल स्थित कल्याणपुर गांव में सौर ऊर्जा आधारित सिंचाई पाइपलाइन योजना का शिलान्यास किया। यह परियोजना जल संसाधन विभाग बिहार के अंतर्गत करीब 12.34 करोड़ रुपये की लागत से तैयार की जाएगी। कार्यक्रम का आयोजन कल्याणपुर गांव के माध्यमिक विद्यालय परिसर में किया गया, जहां विभागीय अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, किसान और स्कूली बच्चे मौजूद रहे।

सौर ऊर्जा से होगी सिंचाईः उपमुख्यमंत्री ने बताया कि यह योजना पूरी तरह सौर ऊर्जा पर आधारित होगी। इसका उद्देश्य

किसानों को खेतों की सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध कराना है, जिससे कृषि उत्पादन में सुधार हो सके। योजना के तहत पालीगंज डोरवा नहर से सौर ऊर्जा के जरिए पानी निकाला जाएगा और उसे तालाबों में संग्रहित किया जाएगा। जरूरत पड़ने पर भूमिगत पाइपलाइन के माध्यम से करीब 1 से 2 किलोमीटर तक लगभग 300 एकड़ भूमि की सिंचाई की जा सकेगी।

कल्याणपुर से हुई शुरुआतः इस योजना की शुरुआत फिलहाल कल्याणपुर गांव से की जा रही है। उपमुख्यमंत्री ने संबंधित एजेंसी को निर्देश दिया कि योजना को गुणवत्तापूर्ण और प्रभावी तरीके से लागू किया जाए, ताकि यह अन्य क्षेत्रों के लिए मॉडल बन सके।

- 300 एकड़ भूमि पर सिंचाई की मिलेगी सुविधा

पूरे बिहार में लागू करने की तैयारीः विजय कुमार चौधरी ने कहा कि यदि यह परियोजना सफल रहती है तो भविष्य में इसे बिहार के अन्य जिलों, पंचायतों और प्रखंडों में भी लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य किसानों को सिंचाई संबंधी समस्याओं से राहत दिलाना है। उन्होंने यह भी कहा कि इस योजना की परिकल्पना पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कार्यकाल में की गई थी और अब इसे लागू किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

जिला जनगणना प्रबंधन कोषांग की कार्यप्रणाली और प्रतिनियोजन पर उठे सवाल

बीएनएम @ मोतिहारी। कोविड-19 महामारी के कारण वर्षों की देरी के बाद शुरू हुई जनगणना इस बार कई मायनों में खास मानी जा रही है। पहली बार आम लोगों को स्व-गणना का अवसर दिया गया, जिसके तहत 17 अप्रैल से 1 मई तक लोगों ने डिजिटल माध्यम से अपनी जानकारी दर्ज की। माना जा रहा है कि डिजिटल जनगणना से आंकड़ों की गुणवत्ता में सुधार के साथ समय की भी बचत होगी। जनगणना जैसे महत्वपूर्ण कार्य में शिक्षकों की भूमिका हमेशा अहम मानी जाती रही है, लेकिन पूर्वी चंपारण जिला जनगणना प्रबंधन कोषांग की कार्यशैली को लेकर अब कई सवाल उठने लगे हैं। आरोप है कि शिक्षकों के प्रतिनियोजन में पारदर्शिता नहीं बरती गई तथा स्थानीय प्रखंडों के शिक्षकों की जगह अन्य क्षेत्रों के शिक्षकों को प्राथमिकता दी गई। चर्चा के केंद्र में आए शिक्षक अमरेश कुमार को लेकर भी विभिन्न तरह की चर्चाएं हो रही हैं। आरोप लगाने वालों का कहना है कि वे पूर्व में भी विभागीय विवादों को लेकर चर्चा में रहे हैं। वर्ष 2022 में उत्पाद विभाग द्वारा शराब सेवन के आरोप में हुई गिरफ्तारी का मामला भी फिर से सुर्खियों में लाया जा रहा है। हालांकि, उस मामले में विभागीय स्तर पर क्या कार्रवाई हुई और वर्तमान स्थिति क्या है, इसे लेकर अब तक कोई स्पष्ट आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। कुछ लोगों ने यह भी आरोप लगाया है कि जनगणना कोषांग में प्रतिनियोजन के दौरान पक्षपात किया गया तथा पैसे लेकर नियुक्ति जैसी शिकायतें भी सामने आई हैं। हालांकि इन आरोपों की अब तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। मामले की निष्पक्ष जांच की मांग उठ रही है ताकि वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके। इधर, 2 मई को जनगणना कार्य की शुरुआत जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के आवास से की गई थी। इस दौरान नगर निगम आयुक्त आशीष कुमार, जिला सांख्यिकी पदाधिकारी अवधेश कुमार श्रीवास्तव, सहायक सांख्यिकी पदाधिकारी कृष्ण कुमार मांझी, स्टेट नोडल आदित्य कुमार समेत कई अधिकारी मौजूद थे। वहीं कुछ लोगों ने सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी समाचार में अधिकारियों की अपेक्षा प्रबंधन कोषांग के कर्मियों को अधिक प्रमुखता दिए जाने पर भी सवाल उठाए हैं। फिलहाल जनगणना जैसे महत्वपूर्ण कार्य के बीच उठे इन आरोपों और चर्चाओं को लेकर प्रशासनिक स्तर पर स्पष्टता तथा निष्पक्ष जांच की मांग तेज होती दिखाई दे रही है।

भीषण गर्मी को लेकर पूर्वी चम्पारण में स्कूलों के समय में बदलाव

बीएनएम @ मोतिहारी। जिले में लगातार बढ़ रही भीषण गर्मी और हीटवेव को देखते हुए जिला प्रशासन ने सभी सरकारी एवं निजी विद्यालयों के संचालन समय में बदलाव किया है। जिला दण्डाधिकारी सौरभ जोरवाल द्वारा जारी आदेश के अनुसार 25 मई से 31 मई 2026 तक जिले के सभी विद्यालयों, प्री-स्कूल एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में कक्षा 12 तक की शैक्षणिक गतिविधियों के समय पर विशेष प्रतिबंध लागू रहेगा। जारी आदेश के तहत सुबह 11 बजे के बाद से अपराह्न 4 बजे तक विद्यालयों में पठन-पाठन एवं अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन पर रोक रहेगी। हालांकि पूर्व निर्धारित परीक्षाएं एवं विशेष कक्षाएं इस आदेश से मुक्त रहेंगी। जिलाधिकारी ने कहा कि अत्यधिक तापमान और लू की स्थिति को देखते हुए बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार आगामी दिनों में भी गर्मी का प्रकोप जारी रह सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा 163 के तहत यह आदेश जारी किया गया है। जिला प्रशासन ने सभी विद्यालय प्रबंधन को निर्देश दिया है कि वे आदेश के अनुरूप शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन में आवश्यक बदलाव सुनिश्चित करें। साथ ही संबंधित अधिकारियों को आदेश का व्यापक प्रचार-प्रसार कर अनुपालन सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया है।

10 हजार का इनामी उत्पाद कांड का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। छौड़ादानों थाना पुलिस ने उत्पाद कांड के वांछित एवं 10 हजार रुपये के इनामी अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार अपराधी की पहचान कुदरकट गांव निवासी सहदेव पासवान, पिता वासुदेव पासवान के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार सहदेव पासवान छौड़ादानों थाना कांड संख्या-319/25 से संबंधित उत्पाद मामले में फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस द्वारा 10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस के मुताबिक अभियुक्त का पूर्व से भी आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट एवं मद्य-निषेध अधिनियम के तहत कई मामले दर्ज हैं। इनमें छौड़ादानों थाना कांड संख्या-339/25 (आर्म्स एक्ट) के अलावा कांड संख्या-326/24, 277/25 एवं 260/23 (मद्य-निषेध अधिनियम) शामिल हैं। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायिक प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई के लिए भेज दिया है।

स्वर्ण व्यवसायी से सोना लेनदेन में धोखाधड़ी के आरोप में युवक गिरफ्तार

बीएनएम @ रामगढ़वा। स्थानीय बाजार निवासी एवं स्वर्ण व्यवसायी संजय प्रसाद के 22 वर्षीय पुत्र रविशंकर कुमार को रामगढ़वा पुलिस ने सोना लेनदेन में धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार रामगढ़वा बाजार निवासी स्वर्ण व्यवसायी पन्नालाल प्रसाद ने थाना में आवेदन देकर आरोप लगाया था कि वर्ष 2024 में रविशंकर कुमार ने उनसे करीब 80 ग्राम सोने के गहने लेकर बेच दिए। बाद में गहने वापस मांगने पर आरोपी ने उन्हें तांबा एवं पीतल मिश्रित नकली गहना दे दिया। पीड़ित द्वारा जांच कराने पर गहना डुप्लीकेट पाया गया। इसके बाद लाखों रुपये की धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए पन्नालाल प्रसाद ने रामगढ़वा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई। मामले में कांड संख्या 247/026 दर्ज की गई है। इस मामले में रामगढ़वा थाना के दारोगा सुमित कुमार ने कार्रवाई करते हुए 22 मई को आरोपी रविशंकर कुमार को गिरफ्तार कर लिया तथा कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। रामगढ़वा थानाध्यक्ष राजीव कुमार साह ने गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि आरोपी को थाना स्तर से ही बेल देने की प्रक्रिया की जा रही थी, लेकिन उसने बेल लेने से इनकार कर दिया, जिसके बाद उसे जेल भेज दिया गया। घटना के बाद स्थानीय स्वर्ण व्यवसायियों के बीच चर्चा का माहौल है। व्यवसायियों का कहना है कि इस तरह की घटनाओं से लोगों का भरोसा प्रभावित होता है और व्यापार पर भी इसका असर पड़ सकता है।

सेक्स ट्रैफिकिंग रोकथाम को लेकर संवेदनशीलता कार्यशाला आयोजित

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पूर्वी चंपारण द्वारा न्याय नेटवर्क के सहयोग से "नालसा जागृति योजना" के तहत सुरक्षित बचपन, सुरक्षित भविष्य विषय पर एक दिवसीय संवेदनशीलता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का मुख्य विषय "सर्वाइवर केयर एवं ट्रॉमा इन्फॉर्म्ड एप्रोचेज इन कॉम्बैटिंग सेक्स ट्रैफिकिंग" रहा। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार अभिषेक कुमार दास ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार नितिन त्रिपाठी, परिवार न्यायाधीश एसरार अहमद, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुरेंद्र प्रसाद सहित न्यायिक पदाधिकारी, पैनल अधिवक्ता, पीएलवी, पॉक्सो लोक अभियोजक एवं पुलिस पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यशाला में उच्च न्यायालय के अधिवक्ता संजू सिंह एवं संभव गुप्ता ने रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लेते हुए मानव तस्करी एवं लैंगिक अपराधों से प्रभावित पीड़ितों के प्रति संवेदनशील व्यवहार, ट्रॉमा आधारित देखभाल, कानूनी सहायता, पुनर्वास तथा संरक्षण जैसे विषयों पर विस्तृत जानकारी दी। करीब तीन घंटे तक चली इस कार्यशाला में बाल संरक्षण, पीड़ित सहायता प्रणाली, ट्रॉमा रिस्पॉन्स, कानून प्रवर्तन एजेंसियों की भूमिका, न्यायिक प्रक्रिया में संवेदनशीलता एवं समन्वित सहायता तंत्र जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अभिषेक कुमार दास ने अपने संबोधन में कहा कि मानव तस्करी और यौन शोषण जैसे अपराधों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सभी विभागों एवं संबंधित संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय और संवेदनशील दृष्टिकोण आवश्यक है। वहीं सचिव नितिन त्रिपाठी ने बताया कि "नालसा जागृति योजना" के तहत जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम लगातार चलाए जा रहे हैं, ताकि समाज में कानूनी जागरूकता और पीड़ितों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाई जा सके। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डंकन हॉस्पिटल की टीम ने भी महत्वपूर्ण सहयोग दिया। धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला का समापन हुआ।

कोटवा में बनेगा आधुनिक स्टेडियम, युवाओं को मिलेगा खेल प्रतिभा निखारने का मौका

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले के कोटवा प्रखंड स्थित भगवतिया मध्य विद्यालय परिसर में आउटडोर एवं इनडोर स्टेडियम सहित अन्य निर्माण कार्यों के लिए 3 करोड़ 29 लाख 6 हजार रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। परियोजना का निर्माण कार्य वर्तमान में प्रगति पर है। इस महत्वाकांक्षी खेल अवसंरचना परियोजना के निर्माण हेतु बिहार राज्य भवन निर्माण निगम लिमिटेड, पटना को कार्यकारी अभिकरण बनाया गया है। निगम की ओर से निर्माण कार्य कराया जा रहा है। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने शनिवार को निर्माणाधीन स्थल का स्थलीय निरीक्षण कर कार्य की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध तरीके से कार्य पूरा करने का निर्देश दिया। इस स्टेडियम के निर्माण से कोटवा प्रखंड एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को सीधा लाभ मिलेगा। विद्यालय परिसर में ही खेल सुविधाएं उपलब्ध होने से छात्र-छात्राओं को शुरुआती स्तर से ही व्यावसायिक खेल प्रशिक्षण का अवसर प्राप्त होगा। आउटडोर एवं इनडोर दोनों प्रकार की खेल सुविधाएं एक साथ उपलब्ध होने से वर्षभर खेल गतिविधियों का संचालन संभव हो सकेगा। इससे क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने का अवसर मिलेगा।

14 करोड़ की लागत से बनेगा वॉटर पार्क, पर्यटन को मिलेगी नई उड़ान

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिले के पिपरा कोठी में पर्यटन विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से करीब 14 करोड़ रुपये की लागत से वॉटर पार्क का निर्माण कराया जाएगा। शनिवार को जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने प्रस्तावित निर्माण स्थल का विस्तृत निरीक्षण किया। पर्यटन विभाग की ओर से संचालित इस महत्वाकांक्षी परियोजना की निविदा प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। प्रशासन को उम्मीद है कि वॉटर पार्क के निर्माण से जिले में पर्यटन गतिविधियों को नई दिशा मिलेगी। साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अंचलाधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ स्थल की भौगोलिक स्थिति, पहुंच पथ, निर्माण की व्यवहारिकता तथा आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता की समीक्षा की। इस दौरान पिपरा कोठी प्रखंड कार्यालय के लिए चिन्हित भूमि का भी निरीक्षण किया गया। प्रशासनिक जरूरतों एवं भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए स्थल का आकलन किया गया। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी परियोजनाओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम लोगों को योजनाओं का लाभ जल्द मिल सके।

किसानों की आय दोगुनी करने और भूमि की उर्वरा शक्ति को बचाए रखने के लिए मिट्टी जांच अभियान शुरू

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। किसानों की आय दोगुनी करने और भूमि की उर्वरा शक्ति को बचाए रखने के उद्देश्य से अटल श्री किसान उत्पादक संगठन के द्वारा संगठन के अध्यक्ष सत्यम कुमार के नेतृत्व में अटल श्री किसान उत्पादक संगठन से जुड़े किसानों के खेतों में उर्वरक के संतुलित और सही उपयोग को बढ़ावा देने के लिए मिट्टी जांच अभियान की शुरुआत की गई। इस अभियान को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद पटना के तकनीकी सहयोग से वरिय वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन में देवेंद्र दुबे, सुरेश साह, जयनारायण पासवान, ध्रुप पासवान, राजन द्विवेदी, राजेश राउत सहित कई किसानों के खेतों की मिट्टी के नमूने एकत्र किए गए। इस अभियान के नेतृत्व कर रहे अटल श्री किसान उत्पादक संगठन के अध्यक्ष सत्यम कुमार में बताया कि आज के समय में बिना जांच के खेतों में यूरिया और अन्य उर्वरकों का अत्यधिक प्रयोग किया जा रहा है इससे न सिर्फ खेती की लागत बढ़ रही है, बल्कि मिट्टी की सेहत भी खराब हो रही है। इस समस्या को दूर करने के लिए किसानों के खेतों से वैज्ञानिक पद्धति से मिट्टी के नमूने लिए जा रहे हैं सभी किसानों को इस एकत्रित किए गए नमूनों को जांच के लिए आईसीएआर पटना की प्रयोगशाला में भेजा गया है जो जांच के बाद सॉइल हेल्थ कार्ड सभी किसानों को दिया जाएगा जिससे किसानों को स्पष्ट रूप से पता चल सकेगा कि उनके खेत में किस पोषक तत्व की कमी है और उन्हें किस फसल के लिए कितनी मात्रा में खाद्य की उपयोग करना है। इस अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान केन्द्र पटना के वरिय वैज्ञानिक डॉक्टर गौस अली ने मिट्टी जांच के नमूने के वैज्ञानिक तकनीक को किसानों के बीच में बताया और सभी किसानों से आग्रह किया कि आप सभी अपने-अपने खेतों की मिट्टी की जांच अवश्य कराए। इस अवसर पर राघवेंद्र द्विवेदी, सोनल गुप्ता, रविंद्र तिवारी, राकेश शुक्ला, राधेश्याम पांडे, संजीत कुमार, धुरेन्द कुमार, प्रभाकर कुमार, बौद्ध महतो सहित अन्य किसान उपस्थित रहे।

चमही में खूनी संघर्ष, युवक की चाकू मारकर हत्या; दो घंटे में 10 आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। शिकारगंज थाना क्षेत्र के चमही गांव में शुक्रवार की शाम आपसी विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया, जिसमें एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद गांव में तनाव और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि शिकारगंज पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज दो घंटे के भीतर मुख्य आरोपी समेत 10 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। मृतक की पहचान चमही गांव निवासी 35 वर्षीय आलोक पटेल, पिता रामचंद्र पटेल के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार की रात करीब आठ बजे गांव में दो पक्षों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई। इसी दौरान आलोक पटेल के बाएं सीने में चाकू मार दिया गया। घटना के बाद परिजन एवं ग्रामीण गंभीर रूप से घायल आलोक को अनुमंडलीय अस्पताल ढाका लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। युवक की मौत की खबर मिलते ही गांव में मातम पसर गया। घटना की सूचना मिलते ही शिकारगंज थाना पुलिस सक्रिय हो गई। थानाध्यक्ष गोपाल कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने लगातार छापेमारी कर मुख्य आरोपी सहित कुल 10 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया, जिनमें आठ पुरुष एवं दो महिलाएं शामिल हैं। पुलिस ने मुख्य अभियुक्त की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त खून लगा चाकू आरोपी के घर में चावल की कोठी से बरामद किया। इसके अलावा एक मोटरसाइकिल और दो इंजन वाला ठेला भी जब्त किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में संतोष कुमार, मंतोष साह, शंकर साह, कंचन साह, रंजन साह, सुधीर साह, मिथुन साह एवं मो. प्राण आलम समेत दो महिलाएं शामिल हैं। घटनास्थल को सुरक्षित कर एफएसएल टीम द्वारा वैज्ञानिक जांच कर साक्ष्य संकलित किए गए हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है तथा सभी आरोपियों के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई में सिकरहना अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अभिषेक कुमार, पुलिस निरीक्षक सच्चिदानंद पाण्डेय, थानाध्यक्ष गोपाल कुमार समेत शिकारगंज थाना के पुलिस पदाधिकारी एवं सशस्त्र बल की अहम भूमिका रही। पुलिस प्रशासन ने कहा है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है तथा दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

मधुबन पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 2160 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। मधुबन थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 250 कार्टून में छिपाकर रखी गई करीब 2160 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की है। पुलिस के पहुंचते ही शराब कारोबारी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। मामले में पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है। जानकारी के अनुसार 22 और 23 मई की मध्य रात्रि मधुबन थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि मधुबन-शिवहर बॉर्डर के समीप बजंरिया गांव स्थित पुनदेव राय की बासवारी में भारी मात्रा में शराब छिपाकर रखी गई है। सूचना के आधार पर वरीय अधिकारियों के निर्देश पर विशेष छापेमारी टीम गठित कर कार्रवाई की गई। पुलिस टीम जैसे ही मौके पर पहुंची, वहां मौजूद शराब कारोबारी पुलिस वाहन देखकर फरार हो गए। तलाशी के दौरान बासवारी से विभिन्न ब्रांड की अंग्रेजी शराब बरामद की गई। बरामद शराब में इम्पीरियल स्टाइल ब्लेंडेड व्हिस्की, जुबली स्पेशल व्हिस्की, क्लासिक ओल्ड हैबिट व्हिस्की, डिस्काउंट प्रीमियम व्हिस्की तथा ब्लू स्ट्रोक एक्सक्विजिट व्हिस्की शामिल हैं। पुलिस ने कुल 250 कार्टून शराब जब्त की, जिसकी कुल मात्रा लगभग 2160 लीटर बताई गई है। पुलिस अब शराब कारोबारियों के बैकवर्ड एवं फॉरवर्ड लिंक खंगालने में जुटी है। छापेमारी दल में पकड़ीदयाल अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चंदन कुमार, मधुबन थानाध्यक्ष प्रवीण पाण्डेय, पुलिस अवर निरीक्षक अमरजीत कुमार, अनिल कुमार, बीएसएपी महिला सिपाही अंजली कुमारी, महिला सिपाही संजू कुमारी तथा सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

जिला दत्तक ग्रहण संस्थान का डीएम ने किया निरीक्षण, बच्चों की देखभाल व्यवस्था पर जताया संतोष

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने शनिवार को जिला मुख्यालय मोतिहारी स्थित जिला दत्तक ग्रहण संस्थान का विस्तृत निरीक्षण किया। इस निरीक्षण के दौरान संस्थान की दैनिक दिनचर्या, स्वास्थ्य देखभाल, पोषण व्यवस्था तथा समग्र आवासीय सुविधाओं का जायजा लिया गया। संस्थान में वर्तमान में ढाई वर्षीय एक बालिका आवासित है, जिसकी देखभाल प्रशिक्षित कर्मियों द्वारा निर्धारित समय-सारणी के अनुसार की जा रही है। बच्चों को प्रतिदिन नाश्ता, भोजन, दवा एवं नियमित स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। वहीं संस्थान की दीवारों पर शैक्षणिक एवं आकर्षक चित्रों के माध्यम से बच्चों के मानसिक विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जिलाधिकारी श्री जोरवाल ने निरीक्षण के दौरान व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए नागरिकों से अपील की कि यदि कोई असहाय, परित्यक्त अथवा आश्रयहीन बच्चा कहीं मिले तो उसे इस संस्थान में लाया जा सकता है, जहां उसकी समुचित देखरेख एवं पुनर्वास सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो इच्छुक दम्पती बच्चा गोद लेना चाहते हैं, वे विधिवत प्रक्रिया के तहत ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस केंद्र के माध्यम से अब तक कई दम्पतियों को बच्चे गोद दिए जा चुके हैं।

तिरहुत नहर में पानी पहुंचने से किसानों में जगी उम्मीद, सिंचाई और मुआवजे की मांग तेज

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। बिहार सरकार के जल संसाधन विभाग द्वारा पश्चिमी चंपारण डिवीजन के अनुरोध पर बाल्मीकिनगर स्थित गंडक बैराज से करीब 1000 क्यूसेक पानी तिरहुत मुख्य नहर में छोड़े जाने के बाद उत्तर बिहार के किसानों में नई उम्मीद जगी है। विभागीय दावों के अनुसार इस पानी से लगभग 16 लाख हेक्टेयर यानी करीब 39 लाख एकड़ कृषि भूमि की सिंचाई संभव होगी। बताया जा रहा है कि खरीफ मौसम में धान समेत अन्य फसलों के उत्पादन में इससे बढ़ोतरी हो सकती है। तिरहुत नहर प्रणाली से पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, मुजफ्फरपुर, वैशाली और समस्तीपुर जिले के किसानों को विशेष लाभ मिलने की संभावना जताई जा रही है। साथ ही नहर से जुड़े क्षेत्रों में पेयजल संकट से भी राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि किसानों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि विभागीय दावों की वास्तविक स्थिति जानने के लिए एक मजबूत और पारदर्शी डेटाबेस तैयार किया जाना चाहिए, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि पानी वास्तव में कितने क्षेत्रों तक पहुंच रहा है और कितनी भूमि सिंचित हो रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि चंपारण की अन्य नहरों तथा नेपाल सीमा और उत्तर प्रदेश क्षेत्र से जुड़ी कई नहर प्रणालियों में अब भी मरम्मत, गाद सफाई और रखरखाव का कार्य अधूरा है। जब तक इन संरचनाओं को दुरुस्त नहीं किया जाता, तब तक व्यापक स्तर पर सिंचाई व्यवस्था का लाभ सभी किसानों तक पहुंचना मुश्किल होगा। इधर मौसम की अनिश्चितता ने किसानों की चिंता और बढ़ा दी है। हाल के दिनों में पूर्वी चंपारण समेत बिहार के विभिन्न हिस्सों में आई आंधी, तूफान और ओलावृष्टि से मक्का, सब्जी एवं अन्य फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। किसानों ने पंचायत स्तर पर क्षति का सर्वेक्षण कर प्रभावित किसानों को मुआवजा देने की मांग की है। फल उत्पादकों की स्थिति भी चिंताजनक बनी हुई है। पूर्वी चंपारण का मेहसी क्षेत्र, जो शाही लीची उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है, इस वर्ष कई चुनौतियों से जूझ रहा है। लीची के पेड़ों पर स्टेम बोरर और लीची माइट जैसे कीटों का प्रभाव देखा जा रहा है। वहीं जलवायु परिवर्तन के कारण मंजर आने के समय हुई असामयिक बारिश ने उत्पादन को प्रभावित किया है। कई क्षेत्रों में मंजर की जगह पेड़ों पर पत्तियों का अत्यधिक विकास होने से फसल प्रभावित हुई है। फल उत्पादकों ने सरकार से बागवानी मिशन के माध्यम से वैज्ञानिक मूल्यांकन कर राहत और सहायता योजना लागू करने की मांग की है। कृषि विशेषज्ञों और स्थानीय लोगों ने सुझाव दिया है कि केवल बड़ी सिंचाई परियोजनाओं पर निर्भर रहने के बजाय छोटे जल स्रोतों पर भी ध्यान दिया जाए। गांवों में आहर, पइन, तालाब, पोखर, कुएं और जल निकासी नालों की उड़ाही, गहराईकरण और सफाई को प्राथमिकता देने से सिंचाई, भूगर्भ जल संरक्षण, पशुओं के पेयजल और बाढ़ प्रबंधन में सुधार हो सकता है। इसके अलावा पुराने सरकारी नलकूपों के रखरखाव तथा नगर पंचायत क्षेत्रों में संचालित नल-जल योजनाओं की समीक्षा कर पेयजल आपूर्ति को सुचारु रखने की भी मांग उठ रही है। सकारात्मक पहलू यह है कि बिहार सरकार का आपदा प्रबंधन विभाग लगातार सक्रिय है और विभिन्न विभागों के साथ बैठक कर जमीनी हालात की समीक्षा कर रहा है। इससे भविष्य में बाढ़, सूखा और कृषि संकट जैसी चुनौतियों से बेहतर तरीके से निपटने की उम्मीद जताई जा रही है। खेतिहर समाज, पशुपालकों और ग्रामीण नागरिकों से भी अपील की गई है कि वे अपने क्षेत्रों की समस्याओं और वास्तविक स्थिति की जानकारी लिखित रूप में संबंधित विभागों तक पहुंचाएं, ताकि समस्याओं का समाधान अधिक प्रभावी और पारदर्शी ढंग से किया जा सके।

संक्षिप्त समाचार

जनता दरबार में सात मामलों की सुनवाई, चार का ऑन द स्पॉट निष्पादन

बीएनएम @ तुरकौलिया। प्रखंड परिसर स्थित सभागार भवन में शनिवार को सीओ संतोष कुमार की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में जमीन संबंधी समस्याओं को लेकर सात फरियादी पहुंचे, जिनकी सुनवाई करते हुए चार मामलों का ऑन द स्पॉट निष्पादन किया गया, जबकि तीन मामलों में संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर अगले शनिवार को उपस्थित होने का निर्देश दिया गया। पहला मामला फरियादी विश्वरंजन एवं मो. ताज के बीच मजूराहा जमीन के दखल-कब्जा विवाद से जुड़ा था। दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद मामले का मौके पर ही निष्पादन कर दिया गया। वहीं दूसरा मामला लक्ष्मीपुर स्थित साढ़े छह कट्ठा जमीन पर चहारदीवारी निर्माण को लेकर था। इस संबंध में श्वेता श्रीवास्तव ने आवेदन देकर आरोप लगाया था कि निर्माण कार्य में पड़ोसी चौकीदार पारस राय द्वारा बाधा उत्पन्न की जा रही है। मामले में पूर्व में नोटिस जारी किया गया था। शनिवार को हुई सुनवाई के दौरान सीओ ने विवाद कर रहे पक्ष से संबंधित जमीन के कागजात की मांग की। तीसरा मामला संग्रामपुर निवासी कृष्णा सिंह का था। उन्होंने बताया कि उनकी जमीन रघुनाथपुर में स्थित है तथा दखल-कब्जा को लेकर विवाद चल रहा है। सुनवाई के दौरान उन्होंने जमीन से संबंधित कागजात प्रस्तुत किए, जिसके बाद सीओ ने दूसरे पक्ष को नोटिस जारी किया। मौके पर सीओ संतोष कुमार, एएसआई संतोष पटेल, राजस्व कर्मचारी सुरेंद्र कुमार, पंकज कुमार, अंचल कर्मी विकास कुमार समेत अन्य कर्मी मौजूद रहे।

18 लाख मूल्य का तस्करी का अवैध सामान लदा ट्रक जब्त

बीएनएम @ बेतिया। पड़ोसी देश नेपाल के नवलपरासी जिले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए भारतीय सीमा क्षेत्र से तस्करी कर लाए जा रहे करीब 18 लाख रुपये मूल्य के अवैध सामान से लदे एक ट्रक को जब्त कर लिया। जानकारी के अनुसार नेपाल पुलिस की टीम ने देवचुरी नगरपालिका वार्ड संख्या-16 स्थित राजहर क्षेत्र में वाहन जांच अभियान चलाया। इसी दौरान बैंडघाट से नारायणगढ़ की ओर जा रहे एक ट्रक को रोककर तलाशी ली गई। जिला पुलिस कार्यालय के सूचना अधिकारी अनिल पंडित ने बताया कि जांच के दौरान ट्रक से 700 पीस एयरबैंड, 1680 पीस मोबाइल ग्लास, 205 पीस स्मार्ट वॉच, 68 पीस टू-वे रेडियो, 66 जोड़ी नाइक के जूते, 374 जोड़ी चप्पल तथा 730 वाटरप्रूफ मोबाइल पाउच बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार ट्रक चालक भक्तपुर निवासी 30 वर्षीय राजेंद्र मचा मासी से बरामद सामान से संबंधित बिल अथवा अन्य वैध दस्तावेज की मांग की गई, लेकिन वह कोई कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस ने ट्रक समेत सभी सामान को जब्त कर लिया। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

अज्ञात वाहन की ठोकर से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

बीएनएम @ तुरकौलिया। थाना क्षेत्र अंतर्गत बिजुलपुर-महानवा मुख्यपथ पर कौवाहा पुल के समीप अज्ञात वाहन की ठोकर से गंभीर रूप से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान बेलवाराय मनन निवासी अनिल पटेल के 22 वर्षीय पुत्र गुलशन कुमार के रूप में हुई है। बताया जाता है कि दो दिन पूर्व गुलशन कुमार किसी कार्य से जा रहा था। इसी दौरान बिजुलपुर कौवाहा पुल के समीप एक अज्ञात चारपहिया वाहन ने उसे जोरदार ठोकर मार दी। दुर्घटना के बाद चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से गंभीर रूप से घायल युवक को मोतिहारी के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां शनिवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। ग्रामीणों के अनुसार ठोकर मारने वाला वाहन तेज रफ्तार चारपहिया था। मृतक दो भाइयों में बड़ा था। उसकी शादी दो-तीन वर्ष पूर्व हुई थी तथा उसकी एक मासूम बच्ची भी है। युवक की मौत के बाद परिवार में कोहराम मच गया है। उसकी पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है, जबकि मासूम बच्ची को अब भी यह एहसास नहीं है कि उसके सिर से पिता का साया उठ चुका है। थानाध्यक्ष संपत कुमार ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। आवेदन मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सहयोग शिविर में मिला व्यापक जनसमर्थन

बीएनएम @ पटना। आम लोगों की राजस्व संबंधी समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से आयोजित सहयोग शिविर को राज्यभर में व्यापक जनसमर्थन मिला है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की पहल पर 19 मई को आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। रेवेन्यू एंड लैंड रिफार्म्स डिपार्टमेंट, बिहार को राज्यभर से कुल 30,390 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से अब तक 13,379 मामलों का निष्पादन कर दिया गया है। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री दिलीप जायसवाल ने विभागीय कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में सहयोग शिविर से संबंधित आवेदनों और उनके निष्पादन की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में विभाग के सचिव जय सिंह, अपर सचिव अजीव वत्सराज सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। समीक्षा के दौरान मंत्री ने कहा कि सहयोग शिविर के माध्यम से दाखिल-खारिज, परिमार्जन, भूमि मापी और अन्य राजस्व मामलों के समाधान के लिए लोगों को एक ही मंच पर सुविधा उपलब्ध कराई गई। इसी कारण बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी समस्याएं दर्ज कराईं।

पाटलिपुत्र अशोक होटल को समय पर पूरा करें : मंत्री

बीएनएम @ पटना। पर्यटन मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता ने राज्य की प्रमुख पर्यटन परियोजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य पर्यटन को विकसित कर रोजगार सृजन करना है, जिससे राज्य के लोगों को कही और रोजगार के लिए न जाना पड़े। मुख्यमंत्री जी का विजन है विकसित बिहार बनाना जिसमें पर्यटन की अहम भूमिका है इसके लिए विभाग सतत क्रियाशील है। उन्होंने इस दौरान निर्माणाधीन पांच सितारा होटल पाटलिपुत्र अशोक के विकास कार्यों का जायजा लिया और अधिकारियों को निर्धारित समय पर परियोजना को गुणवत्तापूर्ण पूरा करने का सख्त निर्देश दिए। उन्होंने अभियंता और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि बरसात से पहले जमीनी स्तर के काम को पूरा किया जाए। विभाग के अधिकारियों से कहा कि निर्माण कार्य में कोई बाधा न आए इसके लिए विभाग से संबंधित सुविधाएं ससमय उपलब्ध कराएं। मंत्री ने बताया कि होटल के निर्माण का जिम्मा कुमार इन्फ्राट्रेड इंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड को सौंपा गया है। 1.51 एकड़ भूमि पर बन रहे इस होटल में कुल 100 कमरे होंगे। इस शानदार पांच सितारा होटल का निर्माण कार्य अगले तीन वर्षों में पूरा कर लिया जाएगा।

मोहिउद्दीन नगर पुलिस ने आरोपितों को दबोचा

बीएनएम @ समस्तीपुरः जिले के मोहिउद्दीन नगर थाना पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर थाना क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों से दो लोगों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस की यह कार्रवाई शुक्रवार देर रात की गई। मोहिउद्दीन नगर थानाध्यक्ष सचिन कुमार ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा चलाए जा रहे विशेष छापेमारी अभियान के दौरान थाना क्षेत्र के धर्मपुर गांव से बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत आरोपी राजा राय, पिता मनोज कुमार को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा पुलिस ने थाना क्षेत्र के मदुदाबाद गांव में छापेमारी कर वारंटी धर्मेंद्र कुमार चौधरीको भी गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए शनिवार को पुलिस अभिरक्षा में न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

विश्व हिंदू परिषद नेपाल ने हिंदू पत्रकार एसोसिएशन को सौंपी 30 जैकेट

बीएनएम @ रक्सौल/बीरगंज

रक्सौल/बीरगंज। विश्व हिंदू परिषद नेपाल की ओर से शनिवार को बीरगंज में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान नेपाल हिंदू पत्रकार एसोसिएशन को 30 प्रेस जैकेट सौंपी गईं। यह कार्यक्रम बीरगंज स्थित माई स्थान अतिथि सदन के असेंबली हॉल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद बीरगंज मेट्रोपॉलिटन कमेटी की अध्यक्ष ज्योति रूंगटा ने हिंदू पत्रकार एसोसिएशन नेपाल के अध्यक्ष राजन रौनियार को जैकेट सौंपकर कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके बाद एसोसिएशन के पदाधिकारियों, सदस्यों एवं सलाहकारों को भी प्रेस जैकेट देकर सम्मानित किया गया। इसी अवसर पर लंबे समय से पत्रकारिता से जुड़े और बीरगंज को अपना कार्यक्षेत्र बनाने वाले पत्रकार दीपक चौरसिया भी हिंदू पत्रकार एसोसिएशन से जुड़े। संगठन के अध्यक्ष राजन रौनियार एवं सचिव राज सर्राफ ने उनका स्वागत करते हुए उन्हें प्रेस जैकेट प्रदान की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ज्योति रूंगटा ने कहा कि पत्रकारों की सुरक्षा और पहचान को ध्यान में रखते हुए यह पहल की गई है। उन्होंने कहा कि देश और समाज में बदलाव लाने में पत्रकारों की भूमिका हमेशा महत्वपूर्ण रही है। परिषद की ओर से यह छोटा सा सहयोग फील्ड में कार्यरत पत्रकारों के लिए पहचान और सुविधा दोनों प्रदान करेगा। उन्होंने भविष्य में भी पत्रकारिता क्षेत्र के साथ सहयोग जारी रखने की बात कही। वहीं, एसोसिएशन के अध्यक्ष राजन रौनियार ने परिषद के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जैकेट केवल एक यूनिफॉर्म नहीं, बल्कि पत्रकारों की जिम्मेदारी और पहचान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इस तरह का सहयोग पत्रकारों को और अधिक उत्साह के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित करेगा। साथ ही उन्होंने संगठन में शामिल हुए पत्रकार दीपक चौरसिया का स्वागत करते हुए इसे संगठन के लिए मजबूती की बात बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसोसिएशन के अध्यक्ष राजन रौनियार ने की, जबकि संचालन सचिव राज सर्राफ ने किया। इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय पत्रकार, मीडियाकर्मी एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोग मौजूद रहे।

सहयोग शिविर की तैयारी को लेकर एसडीओ ने सोनवल व तेजपुरवा पंचायत का किया दौरा

बीएनएम @ अरेराज

अरेराज। आगामी 2 जून को आयोजित होने वाले सहयोग शिविर की तैयारियों को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी अरेराज अंजली शर्मा ने शुक्रवार को पहाड़पुर प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत राज सोनवल एवं तेजपुरवा का दौरा किया। इस दौरान एसडीओ ने सहयोग शिविर के प्रस्तावित आयोजन स्थल का निरीक्षण किया तथा स्थानीय ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याओं, शिकायतों, सुझावों एवं मांगों की जानकारी ली। उन्होंने गांव का भ्रमण कर आमजन से जुड़े विभिन्न मुद्दों की समीक्षा भी की। एसडीओ अंजली शर्मा ने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि आगामी 2 जून को पंचायत भवन में आयोजित सहयोग शिविर में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर अपनी समस्या, शिकायत, मांग एवं सुझाव लिखित रूप में प्रस्तुत करें, ताकि संबंधित विभागों के माध्यम से उसका त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जा सके। ग्रामीणों ने भी सहयोग शिविर को लेकर उत्साह व्यक्त करते हुए क्षेत्र की विभिन्न स्थानीय समस्याओं से प्रशासन को अवगत कराया।

भीषण गर्मी में प्यासे बच्चे, स्कूल का चापाकल महीनों से खराब

» पानी के लिए सड़क पार करने को मजबूर छात्र, हादसे की आशंका

बीएनएम @ पताही @ श्रीनिवास कुमार

पताही। प्रखंड क्षेत्र स्थित राजकीय उत्क्रमित विद्यालय नोनफरवा में भीषण गर्मी के बीच पेयजल संकट गहरा गया है। विद्यालय परिसर का चापाकल पिछले दो-तीन महीनों से खराब पड़ा हुआ है, जिससे छात्र-छात्राओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति यह है कि प्यास बुझाने के लिए बच्चों को सड़क पार कर दूसरे स्थान से पानी लाना पड़ता है। इससे कभी भी किसी बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है। भीषण गर्मी और उमस के कारण बच्चों को बार-बार पानी की आवश्यकता पड़ती है, लेकिन विद्यालय में पेयजल की समुचित व्यवस्था नहीं होने से छात्र परेशान हैं। कई बार बच्चे प्यास से व्याकुल होकर सड़क पार पानी पीने जाते हैं, जिससे अभिभावकों और शिक्षकों की चिंता बढ़ गई है। विद्यालय के शिक्षकों ने बताया कि चापाकल खराब होने के बाद कई बार मिस्त्री और संबंधित इंजीनियर को बुलाकर उसे ठीक कराने का प्रयास किया गया, लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं हो सका। इसके बाद विभागीय अधिकारियों को इसकी सूचना देकर विद्यालय परिसर में नया चापाकल लगाने की मांग की गई है। शिक्षकों का कहना है कि भीषण गर्मी में बच्चों का सड़क पार कर पानी पीने जाना बेहद जोखिम भरा है। यदि जल्द व्यवस्था नहीं हुई तो कभी भी अप्रिय घटना घट सकती है। उन्होंने प्रशासन और शिक्षा विभाग से अविलंब नया चापाकल लगवाने की मांग की है, ताकि विद्यालय में पेयजल संकट समाप्त हो सके और बच्चों को राहत मिल सके।

शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी का अरेराज में भव्य स्वागत, बाबा सोमेश्वर नाथ मंदिर में की पूजा-अर्चना

बीएनएम @ अरेराज

अरेराज। बिहार सरकार के शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी के अरेराज आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया। मंत्री के हरदिया चौक पहुंचते ही कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी के साथ उनका अभिनंदन किया। इस दौरान भाजपा मोतिहारी जिला अध्यक्ष पवन राज, वरिष्ठ नेता अनिल राय, मोतिहारी के उप मेयर लालबाबू गुप्ता तथा जिला महामंत्री संजय चौधरी ने बुके, शॉल एवं फूल-मालाओं से शिक्षा मंत्री का स्वागत किया। हरदिया चौक पर आयोजित स्वागत समारोह में गोविंदगंज विधानसभा संयोजक संजय पांडे, भाजपा मंडल अध्यक्ष राधेश्याम, गौरी शंकर प्रसाद, दीपक गिरी, संतोष सिंह, रणधीर गुप्ता, अति पिछड़ा मोर्चा के जिला महामंत्री संतोष दास, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष हेमंत मणि तिवारी, अरेराज ग्रामीण मंडल प्रभारी जयप्रकाश मिश्रा, वरिष्ठ भाजपा नेता शंभू नाथ सिंह और ग्रामीण मंडल महामंत्री राजा बाबू समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। सैकड़ों बाइक के जुलूस के साथ मंदिर पहुंचे मंत्री हरदिया चौक पर स्वागत समारोह के बाद शिक्षा मंत्री का काफिला बाबा सोमेश्वर नाथ मंदिर के लिए रवाना हुआ। इस दौरान गोविंदगंज विधानसभा क्षेत्र के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने बाइक जुलूस निकाला। पूरे रास्ते कार्यकर्ता भाजपा एवं मंत्री के समर्थन में नारे लगाते हुए उत्साह के साथ काफिले के साथ चलते रहे।

महंत रविशंकर गिरी ने कराई विशेष पूजा-मंदिर पहुंचने पर शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने गर्भगृह में माथा टेककर पूजा-अर्चना की। मंदिर के पीठाधीश श्री श्री 108 रविशंकर गिरी जी महाराज ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विशेष पूजा संपन्न कराई। पूजा के बाद मंत्री को आशीर्वाद एवं प्रसाद भेंट किया गया। शिक्षा मंत्री के इस प्रथम आगमन को लेकर अरेराज एवं आसपास के क्षेत्रों में कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों के बीच खासा उत्साह देखा गया।

16 दिन पूर्व लापता युवक का मक्का के खेत से मिला क्षत-विक्षत शव, इलाके में सनसनी

बीएनएम @ हरसिद्धि/मोतिहारी

हरसिद्धि/मोतिहारी। थाना क्षेत्र अंतर्गत मटियारिया उपाध्याय टोला में उस समय सनसनी फैल गई, जब 16 दिनों से लापता युवक का शव उसके ही घर के पीछे स्थित मक्का के खेत से बरामद किया गया। मृतक की पहचान विजयकांत मिश्र के 35 वर्षीय पुत्र विवेक कुमार मिश्रा के रूप में हुई है। शव पूरी तरह सड़-गल चुका था, जिससे उसकी स्थिति बेहद क्षत-विक्षत हो गई थी। घटना की सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष सुनील कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को खेत से बाहर निकलवाया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मुजफ्फरपुर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेज दिया। घटनास्थल से मृतक का मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है, जिसे जांच के लिए जब्त कर लिया गया है। परिजनों के अनुसार विवेक कुमार मिश्रा 7 मई को घर से अचानक लापता हो गए थे। अगले दिन 8 मई को उनके बड़े भाई बृजेश मिश्र ने हरसिद्धि थाने में आवेदन देकर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और मोबाइल का कॉल डिटेल रिकॉर्ड खंगाला। जांच में पता चला कि विवेक की अंतिम बातचीत उनकी बहन से हुई थी। बताया जा रहा है कि लापता होने वाले दिन ही विवेक ने अपनी बहन के खाते में मोबाइल के माध्यम से 4100 रुपये ट्रांसफर किए थे। इसी दौरान उन्होंने बहन से कहा था कि वे अब कभी घर वापस नहीं लौटेंगे। हालांकि बहन ने उन्हें समझाने का प्रयास किया था। परिजनों ने बताया कि विवेक कुछ समय से बीमार चल रहे थे और उनका इलाज गोरखपुर में चल रहा था। बीमारी के कारण वे मानसिक रूप से भी परेशान रहते थे। उनकी शादी गांव के ही पांडेय टोला निवासी विक्की देवी से हुई थी तथा उनके दो छोटे बच्चे हैं। घटना के बाद पूरे परिवार में कोहराम मच गया है। वृद्ध पिता, भाई और पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में भी मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। इधर, गांव में घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। कुछ लोग मानसिक तनाव और बीमारी के कारण आत्महत्या की आशंका जता रहे हैं, जबकि परिजन हत्या की संभावना से भी इनकार नहीं कर रहे हैं। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा। उन्होंने कहा कि पुलिस सभी बिंदुओं पर गंभीरता से जांच कर रही है और जल्द ही पूरे मामले का सच सामने लाया जाएगा।

जिले के टॉप-10 में शामिल तीन अपराधियों को एसटीएफ ने किया गिरफ्तार

बीएनएम @ बेतिया

बेतिया। एसटीएफ की विशेष टीम ने कार्रवाई करते हुए जिले के टॉप-10 अपराधियों में शामिल तीन अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। तीनों की गिरफ्तारी मुफस्सिल थाना क्षेत्र से की गई है। पुलिस को लंबे समय से इनकी तलाश थी। एसटीएफ की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार गिरफ्तार अपराधियों की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सनसरैया निवासी बिहारी यादव, अर्जुन पटेल एवं मंजेश उर्फ तूफानी महतो के रूप में हुई है। बताया गया है कि पूछताछ के बाद एसटीएफ की टीम ने तीनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। गिरफ्तार अपराधियों का नाम जिले के टॉप-10 अपराधियों की सूची में शामिल था। पुलिस के अनुसार तीनों पर डकैती, लूट, अपहरण, चोरी समेत कई गंभीर आपराधिक मामलों में संलिप्त रहने का आरोप है। सभी कई वर्षों से फरार चल रहे थे, जिनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा था।

योगापट्टी थाना का एसपी ने किया निरीक्षण, लंबित कांडों के शीघ्र निष्पादन का निर्देश

बीएनएम @ बेतिया

बेतिया। पश्चिम चंपारण के पुलिस अधीक्षक डॉ. शौर्य सुमन ने शुक्रवार को योगापट्टी थाना का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान थाना के विभिन्न अभिलेखों एवं कार्यप्रणाली की गहन समीक्षा की गई। एसपी ने स्टेशन डायरी, मालखाना पंजी, गिरफ्तारी पंजी, वारंट निष्पादन पंजी, निगरानी पंजी समेत अन्य आवश्यक अभिलेखों का घंटों तक सूक्ष्म निरीक्षण किया। इस दौरान लंबित कांडों के शीघ्र निष्पादन, वारंट एवं कुर्की के प्रभावी क्रियान्वयन, फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी तथा अपराध नियंत्रण को लेकर संबंधित पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निरीक्षण के क्रम में पुलिस अधीक्षक ने विशेष रूप से सहायक पुलिस अधीक्षक प्रशिक्षु के योगापट्टी थाना कार्यकाल की समीक्षा की तथा उन्हें प्रोत्साहित करते हुए आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया। इसके अलावा थाना परिसर की साफ-सफाई, अभिलेख संधारण, आगंतुकों के साथ व्यवहार एवं विधि-व्यवस्था संधारण की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। एसपी ने थाना में पदस्थापित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों को आमजन के साथ संवेदनशील एवं शालीन व्यवहार करने, प्राप्त शिकायतों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने तथा विधि-व्यवस्था बनाए रखने में पूरी तत्परता बरतने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक कार्तिकेयन ए.के., अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-2, अपर थानाध्यक्ष योगापट्टी थाना सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे।

उच्च माध्यमिक विद्यालय माधोपुर मधुमालत में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

बीएनएम @ तुरकौलिया

तुरकौलिया। प्रखंड अंतर्गत उच्च माध्यमिक विद्यालय माधोपुर मधुमालत में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नौवीं, मैट्रिक एवं इंटर परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले विद्यार्थियों में फरहीन खातून, सिमरन कुमारी, चांदनी कुमारी, पूजा कुमारी, सुमैया फातिमा, सोनी कुमारी, आरती कुमारी, मुस्कान परवीन एवं आशु कुमार शामिल रहे। वहीं "टीचर ऑफ द ईयर" सम्मान शिक्षक अभिषेक कुमार झा को प्रदान किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए बीईओ जितेन्द्र कुमार ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। कठिन परिश्रम, अनुशासन और निरंतर प्रयास से छात्र-छात्राएं बड़ी सफलता हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धा की भावना बढ़ती है और उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। शिक्षाविद श्यामाकांत मिश्र ने कहा कि प्रतिभाओं का सम्मान बच्चों के आत्मविश्वास को मजबूत करता है तथा उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करता है। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्रधानाध्यापक कमलेश कुमार सहित अन्य शिक्षक-कर्मियों ने बीईओ जितेन्द्र कुमार का फूल-माला पहनाकर स्वागत किया। समारोह में मुखिया प्रतिनिधि शम्भू प्रसाद श्रीवास्तव, शिक्षक निक्की गुप्ता, आशुतोष कुमार दुबे, प्रिंसी यादव, असमा अनीस, खुश्बू कुमारी, सोनी कुमारी, निशांत शुक्ला, सोनू कुमार, हिमांशु पाण्डेय एवं अविनाश कुमार सहित कई लोग मौजूद रहे। सम्मान पाकर छात्र-छात्राओं के चेहरे खुशी से खिल उठे।

जस्टिस शरण की आपत्ति

एनएचआरसी के बारे में जस्टिस श्रीधरन की टिप्पणी इस धारणा की पुष्टि करती है कि संवैधानिक/वैधानिक संस्थाएं अपना काम करने के बजाय किसी राजनीतिक परियोजना से संचालित हो रही हैं।

राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने 588 मदरसों पर लगे आरोप की जांच करने का आदेश उत्तर प्रदेश सरकार को दिया। इल्जाम है कि ये मदरसे राज्य के अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत से अनुदान हासिल करते हैं, लेकिन इमारत, फर्नीचर, हॉस्टल आदि के मामलों में बुनियादी शैक्षिक मानदंडों का पालन नहीं करते। एनएचआरसी के इस आदेश को टीचर्स एसोसिएशन मदारिस अरबिया और अन्य कई पक्षों ने हाई कोर्ट में चुनौती दी। वहां न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति विवेक शरण की बेंच ने एनएचआरसी के आदेश पर रोक लगा दी। लेकिन निर्णय सुनाने के क्रम में उन्होंने जो टिप्पणियां कीं, उनसे उनके मतभेद जाहिर हुए। जस्टिस शरण का कहना था कि चूंकि एनएचआरसी की तरफ से कोर्ट में कोई मौजूद नहीं हुआ, अतः उसके खिलाफ नकारात्मक टिप्पणी करना उचित नहीं है। जबकि जस्टिस श्रीधरन ने एनएचआरसी की कुल भूमिका पर सख्त आलोचनात्मक बातें कहीं। कहा कि जब मुसलमानों पर अत्याचार या उनकी लिंचिंग होती है, तो एनएचआरसी उन घटनाओं का संज्ञान नहीं लेता। उन्होंने ध्यान दिलाया कि एनएचआरसी का गठन मानव अधिकार अधिनियम 1993 के तहत हुआ था। उस कानून में मानव अधिकार की परिभाषा मौजूद है। उसके मुताबिक वे अधिकार इस दायरे में आएंगे, जिन्हें भारतीय संविधान में व्यक्ति के जीवन, स्वतंत्रता, समानता और गरिमा को सुनिश्चित करने के लिए शामिल किया गया है।

साथ ही जो अंतरराष्ट्रीय संधियां भारत में लागू हैं, उनमें वर्णित अधिकार भी मानव अधिकार के दायरे में आते हैं। न्यायमूर्ति श्रीधरन ने कहा कि ऐसे अधिकारों की रक्षा तक खुद को सीमित रखने के बजाय एनएचआरसी वैसे मामलों में दखल दे रहा है, जिन्हें सामान्यतः संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत जन हित याचिका के जरिए अदालतों के सामने लाया जाना चाहिए। आज के दौर में संवैधानिक या वैधानिक संस्थाओं की बनी भूमिका के संदर्भ में ये टिप्पणी बेहद अहम है। यह इस आम धारणा की पुष्टि करती है कि ये संस्थाएं अपेक्षित कार्य करने के बजाय किसी राजनीतिक परियोजना से संचालित हो रही हैं। अतः जस्टिस शरण की आपत्ति तकनीकी रूप से जायज है, लेकिन जस्टिस श्रीधरन ने जो कहा, उसका संदर्भ व्यापक है।

अधिकार और सक्षमता का अंहकार सभ्य समाज पर सबसे बड़ा अन्याय

सनत जैन

भारत में 1950 से संविधान लागू है। इस संविधान ने नागरिकों को अपना राजा चुनने का अधिकार दिया है। नागरिक अपने मताधिकार से बहुमत के आधार पर अपने जनप्रतिनिधि को चुनते हैं। नागरिक विधायक सांसद को चुनकर सरकार के रूप में स्वयं के ऊपर नियंत्रण करने का वैधानिक अधिकार सौंपते हैं। संविधान ने नागरिकों के मौलिक एवं संवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा करने के लिए, संविधान ने विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका की संरचना करते हुए, उनके अधिकार और कर्तव्य निश्चित किए। भारत सनातन धर्म की देवभूमि है। यहां पर जन्म लेने वाले भारतीय संस्कृति में जीने के आदी हैं। जब संविधान बना उस समय जिस तरह से ब्रम्हमांड के संचालन के लिए ब्रह्मा विष्णु और महेश को जिम्मेदार बनाया गया। उसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए भारत के संविधान निर्माताओं ने, जिसमें सभी वर्ग के लोग शामिल थे। उन्होंने विधायिका को कानून बनाने के अधिकार दिए। संविधान ने मौलिक अधिकारों में किसी भी तरह की छेड़छाड़ करने का अधिकार किसी को नहीं दिया। संविधान और कानून के अनुसार व्यवस्थाओं के संचालन का जिम्मा विधायिका और कार्यपालिका को सौंपा गया। दोनों को संविधान ने अधिकार दिए। अधिकारों का दुरुपयोग ना हो, संविधान के अनुसार नागरिकों के मौलिक अधिकार सुरक्षित रहें। इसकी जिम्मेदारी न्यायपालिका को दी गई। न्यायपालिका को विधायिका और कार्यपालिका द्वारा जो भी नियम कानून बनाए जांएगें वह सही हैं, या नहीं, उनका सही पालन हो रहा है, अथवा नहीं। इसकी समीक्षा करने का अधिकार न्यायपालिका को दिया गया। न्यायपालिका को संविधान ने असीमित अधिकार दिए हैं। संविधान के अनुसार विधायिका कार्यपालिका और नागरिक अपने कर्तव्य और अधिकारों का सही ढंग से पालन करें। इसके लिए न्यायपालिका को जिम्मेदार ठहराया गया। अब यही न्यायपालिका अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी और दायित्वों का सही ढंग से निर्वाह नहीं कर रही है।जिसके कारण भारतीय लोकतंत्र और संविधान वर्तमान में सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है। संविधान निर्माताओं ने कभी सोचा नहीं था। विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका आपस में संगामिति करके नागरिकों का शोषण करेंगे। यह होता हुआ दिख रहा है। सरकार और कार्यपालिका मिलकर कुछ ऐसे नियम कानून बना रहे हैं। जो नागरिकों के मौलिक अधिकारों का सीधे-सीधे हनन कर रहे हैं। नागरिकों को लंबे समय तक जेलों में बंद किया जा रहा है। नागरिकों के लिए अनावश्यक कानून एवं जबरिया टैक्स लगाए जा रहे हैं। नागरिकों की आजादी नियम और कानूनों से बाधित की जा रही है। सरकारों द्वारा जो कानून बनाए जा रहे हैं, उनमें पूंजीपतियों के लिए अलग कानून और नागरिकों के लिए अलग कानून और नियम बनाए जा रहे हैं। जब न्यायपालिका में इन कानूनों में किये गये भेदभाव को चुनौती दी जाती है। न्यायालयों में भी इस तरह के मामले में दो अलग-अलग तरीके के निर्णय आ रहे हैं। सरकार के दबाव अथवा सरकार की मिली भगत से न्यायपालिका जब संविधान का पालन नहीं कर रही हो, ऐसे में संविधान और लोकतंत्र को वास्तविक स्वरूप में बनाए रख पाना संभव नहीं है। जब भारत में

अंग्रेजों के कानून लागू थे। उस समय भी 90 दिन से ज्यादा किसी भी आरोपी को जेल में रखना संभव नहीं होता था। 90 दिन के अंदर चार्ज शीट प्रस्तुत करना जरूरी होता था। गंभीर अपराध होता था तो जल्द से जल्द उसके बारे में अदालत निर्णय करती थी।चार्जशीट पेश होने पर अदालत तय करती थी। मुकदमा आगे चलेगा या नहीं। आरोपी के आरोप प्रमाणित होने पर उन्हें सजा दी जाती थी। इस प्रक्रिया में अंग्रेजों की सरकार होते हुए भी भारतीयों को यह विश्वास होता था। उनकी बात सुनी गई। आरोपी उसे आसानी से स्वीकार कर पाता था। वर्तमान में स्थिति ठीक इसके विपरीत है। अब इस तरह के कानून बनाए जा रहे हैं। जिसमें नागरिकों के साथ-साथ अदालतों के भी अधिकार सीमित किए जा रहे हैं। हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट, सरकार के ऐसे कानून को सही ठहरा रहे हैं। जिससे आरोपियों को वर्षों तक जमानत नहीं मिल रही है। जांच एजेंसियां और पुलिस कई वर्षों तक जांच के नाम पर आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल में बंद करके रखती हैं। पुलिस कई वर्षों तक फाइनल चार्ज शीट अदालत में प्रस्तुत नहीं करती है। आरोपी पर मुकदमा ही शुरू नहीं हो पाता है।जिस आरोपी को जेल में रखा गया है। उसकी जितनी सजा है, उससे ज्यादा समय विचाराधीन कैदी के रूप में जेल में बंद रहता है। जिसका खामियाजा आरोपी के पूरे परिवार को भुगतना पड़ता है। भारतीय न्याय शास्त्र में मूलभूत सिद्धांत है। जमानत नियम है, जेल अपवाद है।

सुप्रीम कोर्ट ने कई मामलों में इस तरह के फैसले दिए हैं। जिसमें एक निश्चित समय सीमा के बाद किसी को भी जेल में बंद करके नहीं रखा जा सकता है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के तीन जजों की खंडपीठ ने 2021 में निर्णय दिया था। यूपीए जैसे कठोर प्रावधान अनुच्छेद 21 के अंतर्गत नागरिकों को मिली संवैधानिक गारंटी को निस्प्रभावी नहीं बना सकते हैं। जेल में विचाराधीन कैदी का, लंबा कारावास, नागरिक अधिकारों के प्रति अन्याय है। ऐसी स्थिति में ट्रायल कोर्ट हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तीनों को ही अनुच्छेद 21 को ध्यान में रखते हुए आरोपी को जमानत देने का निर्णय लेना चाहिए। इसके बाद भी ट्रायल कोर्ट, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट जमानत के मामलों में फैसला नहीं ले रहे हैं। आरोपी पर आरोप सिद्ध होने के पहले ही सजा देना, क्या यह अधिकारों का दुरुपयोग नहीं है। यह दुरुपयोग जब अदालतें स्वयं करने लगे, तो इससे बड़ी चिंता दूसरी नहीं हो सकती है। पिछले कुछ समय में जिस तरह के कानून बनाए गये हैं। उनमें लगातार भेदभाव किया जा रहा है। पूंजी पतियों और समर्थ लोगों के लिए अलग नियम और कानून हैं। आम नागरिकों के लिए अलग कानून है। जब यह मामले अदालत में चुनौती के रूप में सामने आते हैं, ऐसे समय पर अदालतें संवैधानिक प्रावधानों की अनदेखी करते हुए जो फैसले दे रही हैं। उसके कारण नागरिकों का विश्वास न्याय पालिका के प्रति वैसा नहीं रह गया है, जैसा पहले होता था। पिछले कुछ समय से केन्द्र एवं राज्य सरकारों द्वारा ऐसे कठोर कानून और नियम बनाए जा रहे हैं, जो संवैधानिक अधिकारों के विपरीत हैं। हाल ही में जो कानून बने हैं, उनमें नागरिकों के साथ जिस तरह का धार्मिक एवं अन्य तरह से भेदभाव किया जा रहा है। सरकार के साथ वैचारिक मतभेद को राष्ट्र द्रोह मानकर लंबे समय तक लोगों को जेलों में बंद रखा जा रहा है। विपक्षी दलों के नेतओं के खिलाफ जिस तरह से मुकदमें लगाये जा रहे हैं। जांच एजेंसियां और अदालतें सरकार के दबाव में काम करती हुई दिखती हैं। पिछले 75 वर्षों में जिस संविधान और लोकतंत्र की छाया में हम अधिकारों के साथ रहने के आदी हो गए थे। उसके विपरीत स्थिति होने से अब लोगों में गुस्सा देखने को मिल रहा है। न्यायपालिका की आलोचना पिछले कुछ वर्षों में बढ़ती ही जा रही है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट द्वारा एक ही तरह के मामले में अलग-अलग निर्णय दिए जा रहे हैं। सत्ता पक्ष की ओर एक अलग झुकाव अदालतों का देखने को मिल रहा है विपक्ष और आम नागरिकों के मामले में अलग रुख अदालतें अख्तियार कर रही हैं। पूंजीपतियों को लेकर अदालतो के निर्णय अलग तरह के होते हैं। न्यायपालिका में जिस तरह से भ्रष्टाचार बढ़ रहा है, न्याय में विलंब हो रहा है। व्यक्तिगत स्वतंत्रता और संपत्ति के मौलिक अधिकारों को जिस तरह से कानून के नाम पर खत्म किया जा रहा है। उससे लोगों में भारी गुस्सा देखने को मिल रहा है। प्रश्न यह है भारत के लिखित संविधान में नागरिकों के मौलिक अधिकारों के होते हुए, पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से हर स्तर पर खत्म करने और गैर जिम्मेदारी देखने को मिल रही है। जिस किसी के पास अधिकार हैं, वह अपने आपको भगवान मानने लगता है। न्यायपालिका में बैठे जज अपने आप को भगवान से काम नहीं समझ रहे हैं। उनमें भी अधिकारों का अहंकार देखने को मिलने लगा है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट से बेरोजगारों के लिए कॉकरोच जैसी टिप्पणी की गई।

अदालतों में सुनवाई के दौरान जजों द्वारा समय-समय पर तरह-तरह की टिप्पणी की जा रही है।फैसले उनके विपरीत होते हैं। अदालतों से आधे -अधूरे फैसले आ रहे हैं। उसको लेकर अब अदालतों के विरोध में स्वर उठने लगे हैं। न्यायपालिका को इस दिशा में विशेष ध्यान देने की जरूरत है। भीड़ तंत्र में ज्ञान नहीं होता है, भीड़ तंत्र बड़ी शक्ति होती है। भीड़ जब तक व्यवस्था, नियम कायदे कानून को मान रही होती है। तभी नियमों का पालन संभव है। अनियंत्रित भीड़ के सामने कोई भी नियम कायदा कानून काम नहीं आता है। यह बात न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका को समय रहते समझ में आ जानी चाहिए। यदि इसमें विलंब हुआ तो देश को बड़े पैमाने पर दुष्परिणाम झेलने पड़ सकते हैं।

भय, लालच और पूंजीवाद के बीच महासंकट में फंसी भारतीय अर्थव्यवस्था

सनत जैन

भारत की अर्थव्यवस्था पिछले एक दशक में जिस दिशा में आगे बढ़ी है, उसने विकास के साथ-साथ अर्थव्यवस्था के लिये बड़े गंभीर सवाल भी खड़े किए हैं। वर्ष 2014 के बाद देश में "अच्छे दिन", हर साल दो करोड़ नौकरियां, विदेशों से काला धन वापस लाने और हर परिवार के खाते में 15 लाख रुपये जैसे बड़े-बड़े वादों के सहारे आर्थिक समृद्धि का सपना दिखाया गया। 2026 तक आते-आते यह साफ दिखाई देने लगा है, इन वादों और वास्तविक आर्थिक स्थिति के बीच एक गहरी खाई बन चुकी है। देश की सबसे बड़ी ताकत युवा आबादी मानी जाती है, लेकिन विडंबना यह है, कि वही युवा आज सबसे ज्यादा बेरोजगारी और आर्थिक असुरक्षा का सामना कर रहा है। शिक्षा प्राप्त करने के बाद भी करोड़ों युवाओं को स्थायी रोजगार नहीं मिल पा रहा है। जहां नौकरियां मिलीं भी हैं, वहां ठेका व्यवस्था और कम वेतन ने युवाओं के शोषण को बढ़ावा दिया है। दूसरी ओर, सरकार भारत को दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने का दावा करती रही। आर्थिक विकास का लाभ आम नागरिक तक अपेक्षित रूप में नहीं पहुंच पाया। नोटबंदी और जीएसटी जैसे फैसलों को ऐतिहासिक आर्थिक सुधार बताया गया था, परंतु इनके दुष्परिणाम सबसे अधिक छोटे व्यापारियों, असंगठित क्षेत्र और लघु-उद्योगों को झेलने पड़े। नोटबंदी के बाद काला धन समाप्त करने का दावा किया गया, लेकिन अधिकांश नकदी फिर बैंकों में लौट आई। वहीं जीएसटी की जटिल व्यवस्था ने छोटे कारोबारियों की कमर तोड़ दी। लाखों छोटे और मध्यम उद्योग बंद होते चले गए, जिससे रोजगार के अवसर भी घटते गए।

इस बीच महंगाई लगातार बढ़ती रही। पेट्रोल-डीजल, खाद, बिजली, बैंकिंग सेवाएं और दैनिक जरूरतों की वस्तुएं महंगी होती गईं, जबकि आम लोगों की आय उस अनुपात में नहीं बढ़ी। परिणामस्वरूप मध्यम वर्ग और निम्न वर्ग कर्ज के जाल में फंसता चला गया। सरकार की कल्याणकारी योजनाओं, जैसे- मुफ्त

राशन, आयुष्मान योजना, उज्ज्वला योजना या किसान सम्मान निधि का व्यापक प्रचार जरूर हुआ, लेकिन इनके क्रियान्वयन में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के कई मामले सामने आए हैं। कई ऑडिट रिपोर्टों में करोड़ों रुपयों के फर्जी भुगतान और वित्तीय गड़बड़ियों को उजागर किया है। भारतीय अर्थव्यवस्था की एक और बड़ी चुनौती बढ़ता कर्ज और राजकोषीय घाटा है। केंद्र और राज्य सरकारें लगातार बड़े पैमाने पर उधार लेकर विकास के दावे कर रही हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या यह विकास टिकाऊ है? विकास के नाम पर बड़े पैमाने पर भृष्टाचार हो रहा है। कमीशन की राशि 30 से 50 फीसद तक पंहुच गई है। इस कमीशनखोरी में कैसा विकास हुआ है, इसे आसानी से समझा जा सकता है। जीडीपी की तुलना में कर्ज लगातार बढ़ता जा रहा है। ब्याज के भुगतान में सरकार के बजट का बड़ा हिस्सा खर्च होने से भविष्य में आर्थिक संकट और गहरा होगा। इसके साथ ही, आर्थिक असमानता भी तेजी से बढ़ी है। एक ओर कुछ बड़े उद्योगपतियों की संपत्ति कई गुना बढ़ी, वहीं दूसरी ओर आम नागरिक की बचत और क्रय-शक्ति कमजोर होती गई। ऑनलाइन व्यापार और वैश्विक कंपनियों के विस्तार ने स्थानीय कारोबारियों को भी प्रभावित किया है। छोटे दुकानदार और पारंपरिक व्यवसाय धीरे-धीरे बंद होते चले गये। रिटेल क्षेत्र में बहुराष्ट्रीय कंपनियों का कब्जा हो गया। चिंता की बात यह भी है, भारत का आयात लगातार बढ़ रहा है, जबकि निर्यात अपेक्षित गति नहीं पकड़ पाया। विदेशी मुद्रा पर दबाव बढ़ रहा है। वैश्विक हालात में पश्चिम एशिया का तनाव, तेल संकट और संभावित वैश्विक मंदी, भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए नई चुनौतियां पैदा कर रही हैं। ऐसे समय में यदि आर्थिक नीतियां संतुलित और दूरदर्शी न हों, तो संकट और गहरा सकता है। यह भी सत्य है, सरकार के लिए चुनाव जीतना और लोकप्रिय घोषणाएं करना आसान होता है, सरकारों के लिए वास्तविक चुनौती देश की आर्थिक नींव को मजबूत बनाने की होती है। यदि बड़ी आबादी रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी जरूरतों के लिए संघर्ष कर रही है, इससे सामाजिक असंतोष बढ़ना स्वाभाविक है। इतिहास गवाह है कि आर्थिक असमानता और बेरोजगारी लंबे समय तक बनी रहे, तो सामाजिक व्यवस्था पर भी उसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। सरकार को जनता के गुस्से का शिकार होना पड़ता है। आज जरूरत इस बात की है कि सरकार प्रचार आधारित अर्थव्यवस्था से आगे बढ़कर उत्पादन, रोजगार, कृषि, लघु-उद्योग और सामाजिक सुरक्षा पर गंभीरता से ध्यान दे। युवाओं के लिए रोजगार, छोटे उद्योगों के लिए सरल कर व्यवस्था, मंहगाई और भ्रष्टाचार पर सख्त नियंत्रण समय की मांग है। सरकार के लिए आर्थिक नीतियों का आधार केवल टैक्स कलेक्शन नहीं, बल्कि आम नागरिकों का जीवन बेहतर हो, यह प्राथमिकता होना चाहिए। तभी भारत वास्तव में एक मजबूत और संतुलित अर्थव्यवस्था वाला देश बन सकेगा। वर्तमान अर्थव्यवस्था का संकट बहुत बड़ा है। इस पर नियंत्रण के लिये सरकार को बेहतर अर्थशास्त्रियों को चुनना होगा। अभी वित्त मंत्रालय, नीति आयोग तथा रिजर्व बैंक में भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी बैठे हैं, जो सरकार के दबाव में काम कर रहे हैं। इन्हें हटाकर योग्य व्यक्तियों का चयन ही सरकार को संकट से बचा सकता है।

मेष राशि : आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आपका सोचा हुआ काम पूरा हो जायेगा। इस राशि के छात्रों के करियर में आज नया बदलाव आयेगा। जो उनके भविष्य के लिए फायदेमंद होगा। आज सेहत बेहतर बनी रहेगी। इस राशि के जो लोग सोशल साइट्स से जुड़े हैं, उनकी जान-पहचान किसी ऐसे व्यक्ति से होगी, जो उनको लाभ पहुंचाएगी।

वृष राशिः आज आपका दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा। सामाजिक क्षेत्र में आपकी सक्रियता बढ़ सकती है। किसी काम में आपको सकारात्मक परिणाम मिल सकता है। किसी दोस्त से मिलने का योग बन रहा है। परिवार से जुड़ी अच्छी खबर आपको मिल सकती है। आप जीवनसाथी के साथ यादगार पल बितायेंगे।

मिथुन राशिः आज आपका दिन मिला-जुला अनुभव देने वाला रहेगा। आपको काम में किसी अनुभवी व्यक्ति से मदद मिल सकती है। परिवार के साथ मूवी का प्लान बना सकते हैं। पैसों के लेन-देन करने से आपको बचना चाहिए। अगर आप समय का सदुपयोग करेंगे तो आपको फायदा जरूर मिलेगा। किसी तरह की पुरानी बात पर ध्यान देने से आपको बचना चाहिए। कामकाज की स्थिति मजबूत रहेगी।

कर्क राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। अपना लक्ष्य निर्धारित करने के लिए आप नई योजना बना सकते हैं। आज आपको सफलता की नई संभावनाओं का एहसास होगा साथ ही अचानक धन लाभ होने की संभावना है। इस राशि के जो लोग नौकरी में है, आज उन्हें सफलता मिल सकती है। आज अपनी योजनाओं तथा गतिविधियों को सीक्रेट रखें। अनुभवी लोगों का सहयोग और मार्गदर्शन आपके लिए सहायक रहेगा।

सिंह राशिः आज आपका दिन शानदार रहेगा। बच्चों द्वारा आज शुभ समाचार मिलने से घर में ख़ुशी का माहौल रहेगा। साथ ही पिछले कुछ समय से चल रही किसी दुविधा का भी समाधान निकलेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर भी सामने आएंगे। व्यापार आगे बढ़ाने के लिए नई योजनाए बनाएंगे, आपको पैसे कमाने के अच्छे मौके मिलेंगे।

कन्या राशिः आज आपका दिन आपके लिए सामान्य रहेगा। आपको अपने सोच और व्यवहार को संतुलित रखने का प्रयास करें। आज किसी अनजान व्यक्ति पर ज्यादा भरोसा करने से आपको बचना चाहिए। बौद्धिक एकाग्रता में बढ़ोतरी होगी। आज आपको महत्वपूर्ण फैसले लेने से बचना चाहिए। सावधानी से काम करें। मन में किसी काम को लेकर व्यर्थ की चिंता हो सकती है।

तुला राशिः आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। ऑफिस में सभी के साथ तालमेल अच्छा रहेगा। अचानक नए स्रोतों से हुआ धन लाभ आपकी आर्थिक स्थिति को संतुलित कर देगा। आप शाम तक किसी समारोह में शामिल हो सकते हैं। किसी पुराने मित्र से मिलकर आपका मन प्रसन्न होगा। लवमेट के लिये आज का दिन फेवरेबल रहेगा।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। ऑफिस के काम में आप बिजी हो सकते हैं। किसी मुद्दे को लेकर आप अपनी बात दूसरों के सामने रख सकते हैं, जिसका प्रभाव कुछ लोगों पर साफ दिखेगा। इस राशि के छात्रों को अपने शिक्षकों का पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। आज परिवार के कुछ जरूरी मामले अनदेखा करने से आपको बचना चाहिए।

धनु राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे। थोड़ी-सी मेहनत करके आप अपने उद्देश्यों को आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। आर्थिक स्थिति में काफी सुधार हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिहाज़ से आज का दिन बेहतर है। आप हर काम को धैर्य और समझदारी से पूरा करने की कोशिश करेंगे साथ ही आज ध्यान रखें कि आपके सरल स्वभाव का कुछ लोग नाजायज फायदा उठाने की कोशिश करेंगे।

मकर राशिः आज का दिन बढ़िया रहेगा। आज किसी भी काम को करने से पहले उससे संबंधित जानकारी हासिल करने से ज्यादा सफलता मिलेगी। आप अपनी प्रतिभा को पहचाने और पूरी ऊर्जा के साथ अपनी दिनचर्या व कार्यप्रणाली को व्यवस्थित रखेंगे। किसी बात को लेकर भाई-बहन के साथ विचार करेंगे, किसी नये काम की योजना बना सकते हैं।

कुंभ राशिः आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। किसी खास काम में आपको फायदा मिल सकता है। भाई-बहन के साथ आपके रिश्ते बेहतर होंगे। जीवनसाथी आपकी बात से प्रभावित हो सकते हैं। बिजनेस के मामलों में दिन अच्छा हो सकता है। सामाजिक कामों में सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। कार्यस्थल पर आपको सहकर्मियों का सहयोग मिल सकता है।

मीन राशिः मीन राशि वालों आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। परिवार वालों के साथ धार्मिक स्थल पर दर्शन के लिए जायेंगे। आपके मित्रों की संख्या में बढ़ोतरी हो सकती है। आर्थिक रूप से आपको लाभ की प्राप्ति होगी। आपके काम में नयापन आयेगा। अपनों से नजदीकियां बढ़ाने का अवसर मिलेगा। आपको शुभ सूचना प्राप्त होगी। आपको अपनी मेहनत का पूरा फल मिलेगा।

अलनीनो से प्रभावित होने के बाद भारत के पास क्या इंतजाम ?

सौरभ वार्ष्णेय

दुनिया भर में जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभावों के बीच अलनीनो एक बार फिर भारत के लिए चिंता का विषय बनता जा रहा है। प्रशांत महासागर के तापमान में असामान्य वृद्धि से उत्पन्न होने वाली यह मौसमी घटना भारतीय मानसून को सीधे प्रभावित करती है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश में मानसून की थोड़ी-सी गड़बड़ी भी खेती, अर्थव्यवस्था, जल संकट और महंगाई पर व्यापक असर डालती है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि यदि अलनीनो का प्रभाव गहराता है, तो भारत के पास इससे निपटने के लिए क्या इंतजाम हैं?

भारत का लगभग आधा कृषि क्षेत्र आज भी वर्षा पर निर्भर है। अलनीनो के कारण मानसून कमजोर पड़ता है, वर्षा कम होती है और कई राज्यों में सूखे जैसी स्थिति पैदा हो जाती है। इसका सीधा असर किसानों की आय, खाद्यान्न उत्पादन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। यही नहीं, बिजली उत्पादन, पेयजल आपूर्ति और उद्योग भी प्रभावित होते हैं। इसलिए अलनीनो केवल मौसम की समस्या नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक चुनौती भी है।

हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में भारत ने इस दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। भारतीय मौसम विभाग अब पहले की तुलना में अधिक सटीक और समय रहते मौसम पूर्वानुमान जारी कर रहा है। उपग्रह तकनीक और आधुनिक वैज्ञानिक प्रणालियों के जरिए सरकार मानसून की स्थिति पर लगातार नजर रखती है। इससे राज्यों और किसानों को पहले से तैयारी करने में मदद मिलती है।

कृषि क्षेत्र में भी बदलाव की कोशिशें की जा रही हैं। सरकार सूखा-रोधी बीजों को बढ़ावा दे रही है तथा किसानों को कम पानी वाली फसलों की ओर प्रेरित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जैसी योजनाएं किसानों को प्राकृतिक आपदा से होने वाले नुकसान की भरपाई में सहारा देती हैं। इसके अलावा प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत ड्रिप और स्प्रिंकलर जैसी आधुनिक सिंचाई तकनीकों को प्रोत्साहित किया जा रहा है, ताकि कम पानी में अधिक उत्पादन संभव हो सके।

जल संरक्षण की दिशा में भी कई प्रयास हो रहे हैं। जल शक्ति अभियान, तालाबों के पुनर्जीवन, वर्षा जल संचयन और भूजल संरक्षण जैसे कार्यक्रमों पर सरकार विशेष ध्यान दे रही है। कई राज्यों ने स्थानीय स्तर पर जल प्रबंधन को मजबूत करने के लिए सामुदायिक भागीदारी भी बढ़ाई है। यह समझना जरूरी है कि भविष्य में जल ही

सबसे बड़ी चुनौती बनने वाला है।

ऊर्जा क्षेत्र में भी भारत अब केवल जलविद्युत पर निर्भर नहीं रहना चाहता। सौर और पवन ऊर्जा के विस्तार से ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। यदि सूखे की स्थिति में जलाशयों का स्तर घटे, तब भी बिजली संकट को नियंत्रित किया जा सकेगा।

फिर भी यह कहना जल्दबाजी होगी कि भारत पूरी तरह तैयार है। आज भी कई ग्रामीण क्षेत्रों में सिंचाई की सुविधाएं सीमित हैं। जल संरक्षण योजनाएं कागजों से आगे नहीं बढ़ पातीं। किसानों तक समय पर सही जानकारी पहुंचाने में भी कई बार कमी दिखाई देती है। सबसे बड़ी चुनौती यह है कि जलवायु परिवर्तन अब पहले से अधिक अनिश्चित और गंभीर होता जा रहा है।

अलनीनो जैसी प्राकृतिक घटनाएं हमें यह संदेश देती हैं कि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए बिना भविष्य सुरक्षित नहीं हो सकता। भारत को केवल राहत योजनाओं पर नहीं, बल्कि दीर्घकालिक रणनीति पर ध्यान देना होगा। जल संरक्षण, वैज्ञानिक खेती, हरित ऊर्जा और पर्यावरण सुरक्षा को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाना समय की मांग है।

यदि केंद्र और राज्य सरकारें, वैज्ञानिक संस्थान, किसान और आम नागरिक मिलकर जिम्मेदारी निभाएं, तो भारत अलनीनो जैसी चुनौतियों का मुकाबला मजबूती से कर सकता है। संकट बड़ा है, लेकिन तैयारी और सामूहिक प्रयास उससे भी बड़े हो सकते हैं।

अलनीनो से फसलों पर पड़ेगा प्रभाव ? :

विश्व मौसम व्यवस्था में होने वाले बदलावों का सबसे अधिक असर कृषि पर पड़ता है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश में मानसून केवल मौसम नहीं, बल्कि करोड़ों किसानों की आजीविका और देश की खाद्य सुरक्षा का आधार है। ऐसे में जब प्रशांत महासागर में समुद्री तापमान बढऩे से अलनीनो की स्थिति बनती है, तब उसका सीधा प्रभाव भारतीय मानसून और फसलों पर दिखाई देता है। यही कारण है कि अलनीनो को भारतीय कृषि के लिए एक गंभीर चेतावनी माना जाता है।

अलनीनो के दौरान सामान्यतः भारत में वर्षा कम होती है। मानसून कमजोर पडऩे से खेतों में पानी की कमी हो जाती है और खरीफ फसलें सबसे अधिक प्रभावित होती हैं। धान, मक्का, सोयाबीन, दालें और गन्ना जैसी फसलें पर्याप्त वर्षा पर निर्भर रहती हैं। जब समय पर बारिश नहीं होती, तब बुआई में देरी होती है, उत्पादन घटता है और किसानों की लागत बढ़ जाती है। कई क्षेत्रों में सूखे जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाती है। धान की खेती पर अलनीनो का प्रभाव विशेष रूप से गंभीर माना जाता है। धान को अधिक पानी की आवश्यकता होती है, लेकिन वर्षा कम होने पर खेत सूखने लगते हैं और उत्पादन में भारी गिरावट आती है। इसी प्रकार दालों और तिलहन की फसलें भी कमजोर मानसून से प्रभावित होती हैं। पशुपालन पर भी इसका असर पड़ता है क्योंकि चारे की उपलब्धता कम हो जाती है।अलनीनो केवल खेती तक सीमित समस्या नहीं है, बल्कि इसका असर देश की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है। जब कृषि उत्पादन घटता है तो खाद्यान्न की कीमतें बढऩे लगती हैं। इससे महंगाई बढ़ती है और आम जनता पर आर्थिक बोझ पड़ता है। किसानों की आय घटने से ग्रामीण बाजारों की क्रय शक्ति भी कमजोर होती है।ालांकि, वैज्ञानिक तकनीकों और सरकारी तैयारियों के माध्यम से इसके प्रभाव को कम किया जा सकता है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ पाएंगे जो रूट? इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज ने तोड़ी चुप्पी

एजेंसी, नई दिल्ली

टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम दर्ज है। 15,921 रनों का यह ऐतिहासिक आंकड़ा लंबे समय तक अटूट माना जाता रहा, लेकिन अब इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट इस रिकॉर्ड के बेहद करीब पहुंचते दिखाई दे रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में लगातार शानदार प्रदर्शन के दम पर रूट ने क्रिकेट जगत में इस बहस को तेज कर दिया है कि क्या वह सचिन का यह महान रिकॉर्ड तोड़ पाएंगे। जो रूट इस समय टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं। उनके नाम 13,943 रन दर्ज हैं और वह सचिन तेंदुलकर से सिर्फ 1,978 रन पीछे हैं। मौजूदा फॉर्म को देखते हुए माना जा रहा है कि अगर रूट फिट रहते हैं और अगले दो साल तक इसी निरंतरता के साथ खेलते हैं, तो वह इस रिकॉर्ड तक पहुंच सकते हैं। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में जो रूट ने पहली बार इस मुद्दे पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि अब उनसे यह सवाल इतनी बार पूछा जाता है कि वह चाहकर भी इसे नजरअंदाज नहीं कर सकते। रूट ने सचिन तेंदुलकर की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने क्रिकेट में जो हासिल किया, वह असाधारण है। रूट ने कहा कि सचिन का करियर उनके लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि सचिन ने उनके जन्म से पहले टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था और जब रूट ने टेस्ट क्रिकेट में कदम रखा, तब भी सचिन खेल रहे थे। रूट के मुताबिक इतनी लंबी अवधि तक शीर्ष स्तर पर खेलना अपने आप में एक अद्भुत उपलब्धि है। उन्होंने यह भी कहा कि सिर्फ टेस्ट क्रिकेट ही नहीं, बल्कि वनडे क्रिकेट में सचिन के 49 शतक भी उनकी महानता को साबित करते हैं।

हालांकि रूट ने साफ किया कि उनका ध्यान रिकॉर्ड्स से ज्यादा अपने खेल को लगातार बेहतर बनाने पर रहता है। उन्होंने कहा कि वह हमेशा अपनी बल्लेबाजी में कुछ नया जोड़ने और तकनीकी रूप से खुद को और मजबूत बनाने की कोशिश करते हैं। रूट के अनुसार जब वह क्रीज पर होते हैं तो उनका पूरा फोकस सिर्फ मैच की परिस्थितियों के अनुसार खेलने पर रहता है, न कि आंकड़ों या रिकॉर्ड्स पर। इंग्लैंड के इस दिग्गज बल्लेबाज की निरंतरता और शानदार तकनीक ने उन्हें आधुनिक दौर के सबसे सफल टेस्ट बल्लेबाजों में शामिल कर दिया है। अब क्रिकेट प्रेमियों की नजर इस बात पर टिकी है कि क्या जो रूट आने वाले समय में सचिन तेंदुलकर के सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने के विश्व रिकॉर्ड को पीछे छोड़ पाएंगे या नहीं।

रजत पाटीदार ने बनाया बड़ा रिकॉर्ड, क्रिस गेल को पीछे छोड़ आईपीएल में रचा इतिहास

एजेंसी, नई दिल्ली

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार ने इंडियन प्रीमियर लीग में एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेले गए मुकाबले में उन्होंने आईपीएल करियर के 100 छक्के पूरे किए और इस मामले में टी20 क्रिकेट के दिग्गज क्रिस गेल को पीछे छोड़ दिया। पाटीदार ने यह उपलब्धि सिर्फ 933 गेंदों में हासिल की, जो किसी भी भारतीय बल्लेबाज द्वारा सबसे तेज 100 छक्के लगाने का रिकॉर्ड है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेले गए मुकाबले में रजत पाटीदार ने 56 रनों की तेजतर्रार पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 6 चौके और एक लंबा छक्का लगाया। इसी छक्के के साथ उन्होंने आईपीएल में 100 सिक्स पूरे किए। इससे पहले क्रिस गेल ने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए 943 गेंदों का सामना किया था। पाटीदार ने उनसे 10 गेंद कम लेकर यह रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। हालांकि आईपीएल में सबसे कम गेंदों पर 100 छक्के लगाने के मामले में पाटीदार अभी तीसरे स्थान पर हैं। इस सूची में वेस्टइंडीज के विस्फोटक ऑलराउंडर आंद्रे रसेल शीर्ष पर बने हुए हैं। रसेल ने सिर्फ 657 गेंदों में 100 छक्के पूरे कर दिए थे। दूसरे नंबर पर निकोलस पूरन हैं, जिन्होंने यह उपलब्धि 884 गेंदों में हासिल की थी। इसके बाद रजत पाटीदार, क्रिस गेल, सुनील नरेन और शिवम दुबे का नाम आता है। अगर मैच की बात करें तो सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल 2026 के 67वें मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 55 रन से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए हैदराबाद ने चार विकेट पर 255 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। टीम के लिए अभिषेक शर्मा ने 56 रन, ईशान किशन ने 79 रन और हेनरिक क्लासेन ने 51 रन की विस्फोटक पारियां खेलीं। बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी की शुरुआत लड़खड़ा गई, लेकिन कप्तान रजत पाटीदार और कृणाल पंड्या ने टीम को संभालने की कोशिश की।

टॉप-2 पर था आरसीबी का फोकस, जीत नहीं बल्कि रनरेट बचाना था लक्ष्य : एंडी फ्लावर

एजेंसी, नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबला भले ही गंवा दिया हो, लेकिन टीम अपने असली मकसद में सफल रही। आरसीबी के मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने खुलासा किया कि टीम की प्राथमिकता सिर्फ मैच जीतना नहीं, बल्कि अंक तालिका में शीर्ष-2 स्थान सुनिश्चित करना था। इसी रणनीति के तहत बल्लेबाजों को अलग-अलग लक्ष्य दिए गए थे ताकि नेट रन रेट सुरक्षित रखा जा सके। 255 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी की टीम 55 रन से हार गई, लेकिन टीम ने इतना स्कोर बना लिया कि उसका नेट रन रेट मजबूत बना रहा और वह शीर्ष-2 में अपनी जगह सुरक्षित करने में सफल रही।

इस प्रदर्शन के दम पर आरसीबी को क्वालीफायर-1 का टिकट मिल गया, जबकि सनराइजर्स हैदराबाद को एलिमिनेटर मुकाबला खेलना पड़ेगा। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में एंडी फ्लावर ने बताया कि पहली पारी खत्म होने के बाद टीम के भीतर 255 रन के लक्ष्य का पीछा करने को लेकर चर्चा हुई थी, लेकिन साथ ही दूसरे संभावित समीकरणों पर भी विचार किया गया। उन्होंने कहा कि टीम के सामने दोहरी चुनौती थी एक तरफ मुकाबला जीतना और दूसरी ओर यह सुनिश्चित करना कि टीम लीग चरण में शीर्ष पर बनी रहे। फ्लावर ने कहा कि टीम ने अलग-अलग स्कोर को लेकर रणनीति बनाई थी। उनके मुताबिक शीर्ष-2 में जगह पक्की करने के लिए लगभग 166 रन जरूरी थे, जबकि अंक तालिका में शीर्ष स्थान बनाए रखने के लिए 179 रन तक पहुंचना अहम था।

सोशल मीडिया वीडियो को लेकर ट्रोल हुए अर्शदीप सिंह

एजेंसी, नई दिल्ली

अर्शदीप सिंह एक बार फिर अपनी सोशल मीडिया गतिविधियों को लेकर चर्चा में आ गए हैं। पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज अर्शदीप ने हाल ही में एक वीडियो साझा किया, जिसमें टीम के युवा सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्या नजर आ रहे हैं। हालांकि, यह वीडियो सोशल मीडिया पर आते ही चर्चा का विषय बन गया और कई प्रशंसकों ने अर्शदीप को ट्रोल करना शुरू कर दिया। पंजाब किंग्स की टीम इस समय लखनऊ में मौजूद है, जहां उसे अपना आखिरी लीग मुकाबला लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ खेलना है। यह मैच टीम के लिए बेहद अहम माना जा रहा है, क्योंकि प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें इसी मुकाबले पर टिकी हुई हैं। इसी बीच सोशल मीडिया पर टीम बस का एक वीडियो सामने आया, जिसमें अर्शदीप सिंह अपने साथी खिलाड़ी प्रियांश आर्या के साथ मजाक करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में अर्शदीप खुद नजर नहीं आते, लेकिन उनकी आवाज साफ सुनाई देती है।

सीएसके मैनेजमेंट पर भड़के कृष्णमाचारी श्रीकांत

बोले - धोनी को लेकर फैंस से झूठ बोला गया

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज और 1983 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य कृष्णमाचारी श्रीकांत ने चेन्नई सुपर किंग्स प्रबंधन पर महेंद्र सिंह धोनी की फिटनेस को लेकर फैंस को गुमराह करने का गंभीर आरोप लगाया है। श्रीकांत ने कहा कि पूरी आईपीएल 2026 सीजन के दौरान फ्रेंचाइजी, कप्तान रुतुराज गायकवाड़ और कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने लगातार ऐसे संकेत दिए कि धोनी जल्द मैदान पर वापसी करेंगे, लेकिन आखिर तक ऐसा नहीं हुआ। सोशल मीडिया पर "एमएस धोनी स्कैम" ट्रेंड होने के बाद यह मामला और गरमा गया। पूर्व आईपीएल खिलाड़ी अनिरुद्ध श्रीकांत ने भी अपने शो में फैंस की नाराजगी को उठाया, जिसके बाद कृष्णमाचारी श्रीकांत ने खुलकर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि चेन्नई सुपर किंग्स ने बार-बार धोनी के अभ्यास के वीडियो सोशल मीडिया पर साझा कर यह संदेश देने की कोशिश की कि वह फिट हैं और अगले मैच में खेल सकते हैं। अपने यूट्यूब चैनल पर श्रीकांत ने कहा कि सीजन शुरू होने से पहले टीम की ओर से बताया गया कि धोनी को पैर में चोट है और वह जल्द वापसी कर सकते हैं। इसके बाद कोच स्टीफन फ्लेमिंग और कप्तान रुतुराज गायकवाड़ लगातार यही कहते रहे कि धोनी अगले मुकाबले में उपलब्ध हो सकते हैं। मैच से पहले उनके ट्रेनिंग वीडियो दिखाए जाते रहे, जिससे फैंस को उम्मीद बंधती रही कि धोनी मैदान पर उतरेंगे।

बिजनेस

भारतीय शेयर बाजार में पूरे हफ्ते दिखा उतार-चढ़ाव का खेल

- भारी बिकवाली के बीच भी दिखी खरीदारी की चमक, कुछ सेक्टरों ने दी संजीवनी

एजेंसी, मुंबई

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए अत्यधिक उतार-चढ़ाव और अप्रत्याशित झटकों से भरा रहा, जहां वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाक्रमों और घरेलू आर्थिक संकेतकों ने बाजार की चाल तय की। निवेशकों को हर दिन बाजार की शुरुआती गिरावट और फिर दिन के अंत में शानदार रिकवरी या इसके विपरीत शुरुआती तेजी के बाद सुस्त समापन जैसे नाटकीय परिवर्तन देखने को मिले। पश्चिमी एशिया में तनाव, कच्चे तेल की कीमतें, डॉलर के मुकाबले रुपये की रिकॉर्ड गिरावट और विदेशी फंड के प्रवाह जैसे कारकों ने बाजार की दिशा को लगातार प्रभावित किया, जिससे यह सप्ताह वैश्विक संकेतों और घरेलू लचीलेपन के बीच झूलता रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज लाल निशान के साथ खुला, जहां सेंसेक्स 900 से अधिक अंक और निफ्टी 255 से अधिक अंक गिर गया। डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया अपने रिकॉर्ड निचले स्तर 96.33 (अस्थायी) पर पहुंच गया, जिसने निवेशकों की चिंता और बढ़ा दी। हालांकि, बाजार ने दिन के अंत तक जबरदस्त वापसी करते हुए निवेशकों को चौंका दिया। सेंसेक्स मामूली रूप से 77.05 अंकों की वृद्धि दर्ज कर हरे निशान पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी में भी 6.45 अंकों की बढ़त रही। मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान पर नियोजित सैन्य हमले रोकने और समझौते की संभावना जताने की खबर ने बाजार में एक नई उम्मीद जगाई। इस सकारात्मक खबर के दम पर भारतीय शेयर बाजार ने शुरुआती कारोबार में जोरदार तेजी दर्ज की। सेंसेक्स 366.71 अंक उछलकर 75,706.88 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी में भी 107.45 अंकों की बढ़त दर्ज हुई। लेकिन यह तेजी भी दिन के अंत तक कायम नहीं रह पाई। शुरुआती बढ़त गंवाकर दोनों प्रमुख सूचकांक लाल निशान पर बंद हुए, सेंसेक्स 75,200.85 और निफ्टी 23,618.00 पर कारोबार समाप्त हुआ। बुधवार को भारतीय शेयर बाजार एक बार फिर भारी बिकवाली के दबाव में खुले। बाजार विशेषज्ञों ने कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, कमजोर होती मुद्रा और महंगाई की चिंताओं को निवेशकों की धारणा पर भारी पड़ने वाला बताया। निफ्टी 50 और बीएसई सेंसेक्स दोनों में शुरुआती कारोबार में बड़ी गिरावट दर्ज हुई। हालांकि, प्रमुख एशियाई बाजारों में छाई सुस्ती और कमजोरी के बावजूद, भारतीय बाजारों ने जबरदस्त लचीलापन दिखाया। तेल व गैस, ऑटो और वित्तीय क्षेत्र के शेयरों में हुई जोरदार खरीदारी के दम पर घरेलू सूचकांकों ने दिन के निचले स्तरों से शानदार रिकवरी की और अंततः हरे निशान में बंद होने में सफल रहा। सेंसेक्स 117.54 अंकों की बढ़त के साथ 75,318.39 और निफ्टी 41 अंकों की बढ़त के साथ 23,659 पर बंद हुआ। गुरुवार की स्थिरता और शुक्रवार का सकारात्मक समापन गुरुवार को पश्चिम एशिया संघर्ष के जल्द समाप्त होने की उम्मीदों के बीच तेल की कीमतों में नरमी और वैश्विक बाजारों में आई तेजी के कारण बेंचमार्क इक्विटी सूचकांकों में शुरुआती तेजी देखी गई। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ने अच्छी बढ़त के साथ कारोबार शुरू किया। हालांकि, दिन का अंत बेहद सुस्त माहौल में हुआ। पूरे दिन के उतार-चढ़ाव के बाद दोनों प्रमुख सूचकांक लगभग सपाट स्तर पर बंद हुए, सेंसेक्स 135.03 अंक टूटकर 75,183.36 पर और निफ्टी महज 4.30 अंकों की मामूली गिरावट के साथ 23,654.70 पर सेटल हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को ईरान तनाव में नरमी की उम्मीद और वैश्विक आशावाद के चलते भारतीय बाजारों में तेजी जारी रही। प्रमुख एशियाई सूचकांकों में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई, जिससे भू-राजनीतिक तनाव में मिली संक्षिप्त राहत ने बाजार को सकारात्मक संकेत दिए। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 332.39 अंक चढ़कर 75,507.09 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 84.60 अंक बढ़कर 23,747.40 पर कारोबार कर रहा था। बैंकिंग और एनबीएफसी शेयरों में बढ़त के दम पर हफ्ते का अंत सकारात्मक रहा, सेंसेक्स 232 अंक चढ़कर 75,415 पर और निफ्टी 23,700 के पार बंद हुआ।

एशियाई उत्पादकता संगठन की शासी निकाय की 68वीं बैठक संपन्न

एजेंसी, नई दिल्ली

एशियाई उत्पादकता संगठन (एपीओ) की शासी निकाय की 68वीं बैठक यहां संपन्न हो गई। एपीओ शासी निकाय ने अपने तीन दिवसीय इस बैठक में 'विजन 2030' रोडमैप और संस्थागत प्रदर्शन उपायों की समीक्षा की।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में कहा कि एशियाई उत्पादकता संगठन (एपीओ) की शासी निकाय की बैठक (जीबीएम) की 68वीं बैठक, 20–22 मई तक नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में तीन दिनों तक चली चर्चाओं, रणनीतिक विचार-विमर्श और उच्च-स्तरीय वार्ताओं के बाद, नई दिल्ली में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। मंत्रालय ने बताया कि इस बैठक की मेजबानी राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद (एनपीसी) ने भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के तत्वावधान में की। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय उत्पादकता संगठनों (एनपीओ) के प्रमुखों, वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों, नीति-निर्माताओं, उत्पादकता विशेषज्ञों और एपीओ सदस्य अर्थव्यवस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। उल्लेखनीय है कि एशियाई उत्पादकता संगठन की 68वीं गवर्निंग बॉडी बैठक की सफल मेज़बानी ने उत्पादकता को बढ़ावा देने, क्षेत्रीय सहयोग को मज़बूत करने और एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सतत सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि की है।

पेट्रोल 87 पैसे और डीजल 91 पैसे हुआ महंगा, नई दरें लागू

एजेंसी, नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में शनिवार को एक बार फिर बढ़ोतरी की है। पेट्रोल के दाम में 87 पैसे लीटर और डीजल के भाव में 91 पैसे प्रति लीटर तक का इजाफा किया गया है। इसके अलावा दिल्ली-एनसीआर में सीएनजी की कीमत एक रुपये प्रति किलो बढ़ गई हैं। नई दरें आज से लागू हो गई है।

इंडियन ऑयल की वेबसाइट के अनुसार नई दिल्ली में पेट्रोल के दाम 87 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी के साथ अब 99.51 रुपये प्रति लीटर हो गई है। वहीं, डीजल का भाव 91 पैसे महंगा होकर 92.49 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है।

तेल एवं विपणन कंपनियों ने पिछले 9 दिनों में पेट्रोल-डीजल के दाम में तीसरी बार इजाफा किया है। पेट्रोल, डीजल के दाम में 15 मई के बाद से यह तीसरी बढ़ोतरी है। सरकारी तेल कंपनियों ने पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण बढ़ी ऊर्जा कीमतों का बोझ धीरे-धीरे उपभोक्ताओं पर डालना शुरू कर दिया है। 15 मई को कीमतों में 3 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हुई थी। उसके बाद 19 मई को पेट्रोल और डीजल के दाम 90 पैसे लीटर बढ़ाये गये थे। कुल मिलाकर, ईंधन की कीमतों में लगभग 5 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई है।

इसके अलावा दिल्ली-एनसीआर में सीएनजी की कीमतें 1 रुपये प्रति किलो बढ़ गई हैं। इस बदलाव के बाद दिल्ली में सीएनजी अब 81.09 रुपये प्रति किलो मिलेगी। वहीं, पिछले 10 दिनों में सीनएनजी की कीमत में यह तीसरी बढ़ोतरी है। इससे पहले सरकार ने 15 मई को सीएनजी के दाम 2 रुपये और फिर 18 मई को 1 रुपये बढ़ाए थे।

पीयूष गोयल व्यापारिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए कनाडा का करेंगे दौरा

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 25 से 27 मई के बीच कनाडा का दौरा करेंगे। इस दौरे पर वे लगभग 150 कारोबारी नेताओं और भारतीय उद्योगपतियों के एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश संबंधों को मज़बूत करना है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में बताया कि पीयूष गोयल 25 से 27 मई के बीच व्यापारिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए 150 कारोबारी नेताओं के साथ कनाडा का दौरा करेंगे। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री के नेतृत्व में यह प्रतिनिधिमंडल ओटावा और टोरंटो में कनाडा के मंत्रियों, कारोबारी नेताओं और उद्योग समूहों के साथ बैठकें करेगा। मंत्रालय के मुताबिक गोयल भारत और कनाडा राजनयिक तनाव के कारण द्विपक्षीय व्यापार वार्ता में आई सुस्ती के बाद आर्थिक संबंधों को फिर से मज़बूत करने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं, गोयल ने एक पत्रकार वार्ता में कहा कि भारत को उम्मीद है कि वह कनाडा के साथ एक मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) करेगा, जिसमें ऊर्जा और ज़रूरी खनिजों जैसे सेक्टर शामिल होंगे और साथ ही भारतीय कपड़ा और चमड़ा कंपनियों के लिए भी मौके बनेंगे। इस दौरे में बातचीत का मुख्य ज़ोर टेक्नोलॉजी, फ़ूड प्रोसेसिंग, स्वच्छ ऊर्जा और ज़रूरी खनिजों के क्षेत्र में सहयोग पर होगा। उल्लेखनीय है कि मार्च में प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की नई दिल्ली यात्रा के दौरान दोनों देश एक व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते पर बातचीत करने के लिए शर्तों को अंतिम रूप देने पर सहमत हुए थे।

बॉक्स ऑफिस पर 'करुप्पु ने 100 करोड़ आंकड़ा किया पार

धीमी पड़ी 'पति पत्नी और वो दो की रफ्तार

'आखिरी सवाल समेत बाकी फिल्मों का भी ऐसा रहा हाल

बॉक्स ऑफिस पर इन दिनों कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है, जिसमें साउथ से लेकर बॉलीवुड तक की फिल्में शामिल हैं। वहीं अलग-अलग जॉनर की भी कई फिल्में मौजूद हैं। जानते हैं कि बुधवार का दिन इन फिल्मों के लिए बॉक्स ऑफिस पर कैसा बीता और कैसी रही इनकी कमाई?

आयुष्मान खुराना की कॉमेडी फिल्म 'पति पत्नी और वो दो बॉक्स ऑफिस पर धीमी रफ्तार से आगे बढ़ रही है। फिल्म ने छठे दिन बुधवार को 2.75 करोड़ रुपए की कमाई की। इससे पहले मंगलवार को फिल्म का कलेक्शन 3.50 करोड़ रुपए रहा था। वहीं अब फिल्म का कुल कलेक्शन 27 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। तमिल स्टार सूर्या की फिल्म 'करुप्पु बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त प्रदर्शन कर रही है। यही कारण है कि फिल्म ने एक हफ्ते के अंदर ही 100 करोड़ रुपए के आंकड़े को भी पार कर लिया है। छठे दिन बुधवार को 'करुप्पु ने 10.30 करोड़ रुपए की कमाई की। इसके साथ ही छह दिनों में फिल्म का कुल कलेक्शन 105.35 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। संजय दत्त की 'आखिरी सवाल पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर सांसें भर रही है। फिल्म ने छठे दिन बुधवार को सिर्फ 19 लाख रुपए की कमाई की। जबकि फिल्म का कुल कलेक्शन छह दिनों में महज 2.59 करोड़ रुपए ही हो पाया है। भगवान श्रीकृष्ण की रासलीला को दिखाती फिल्म 'कृष्णावतारम पार्ट 1 लोगों को अभी भी प्रभावित कर रही है। हालांकि, अब पहली बार 14वें दिन फिल्म की कमाई लाखों में सिमटी है। बुधवार को फिल्म ने 98 लाख रुपए की कमाई की। इस तरह से अब फिल्म का कुल कलेक्शन 23.65 करोड़ रुपए तक हो गया है। रितेश देशमुख की 'राजा शिवाजी ने बॉक्स ऑफिस पर 20 दिन पूरे कर लिए हैं। फिल्म अभी भी करोड़ों में ही कमाई कर रही है। अब 20वें दिन तीसरे बुधवार को भी फिल्म ने 1.10 करोड़ रुपए की कमाई की है। इसके साथ ही फिल्म का कुल कलेक्शन 88.10 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है।

सोशल मीडिया पर छाया मेलोडी का खुमार, कृति खरबंदा ने टॉफी वाली पोस्ट से लूट ली महफिल!

सोशल मीडिया पर इन दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी के नाम को मिलाकर मेलोडी ट्रेंड छाया हुआ है। इस मजेदार मीम फेस्ट में अब अभिनेत्री कृति खरबंदा भी शामिल हो गई हैं। कृति ने इंस्टाग्राम पर भूरे (ब्राउन) रंग की खूबसूरत ड्रेस में अपनी तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसका रंग बिल्कुल मेलोडी टॉफी से मिल रहा है। अभिनेत्री ने मजा लेते हुए कैप्शन भी कुछ ऐसा डाला कि सभी का ध्यान उनके कैप्शन की ओर खींचा चला गया। कृति लिखती हैं, ये मेलोडी इतनी चॉकलेटी क्यों है? कृति की पोस्ट सभी को बहुत पसंद आ रही हैं। उनके फैंस कमेंट सेक्शन पर जमकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। बता दें कि मेलोडी शब्द को सोशल मीडिया यूजर्स अक्सर इस्तेमाल करके वैश्विक मंचों पर इन दोनों नेताओं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी, के बीच हुई हल्की-फुल्की बातचीत को हाईलाइट करते हैं। इस वायरल ट्रेंड को तब रफ्तार मिली, जब इटली के दौरे पर पीएम मोदी ने जॉर्जिया मेलोनी को भारत की मशहूर मेलोडी चॉकलेट/टॉफी गिफ्ट की थी। मेलोनी ने इस क्यूट जेस्चर के लिए पीएम मोदी को धन्यवाद देते हुए अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो भी शेयर किया था, जो इंटरनेट पर आते ही छा गया। इस मजेदार ट्रेंड के साथ-साथ यह ऑनलाइन ट्रेंड दोनों देशों के बीच मजबूत हो रही कूटनीतिक और व्यापारिक साझेदारी को भी प्रदर्शित करता है। अभिनेत्री कृति खरबंदा पिछली बार फिल्म राणा नाइडू-2 में नजर आई थी। यह एक एक्शन-क्राइम ड्रामा फिल्म है। अभिनेत्री हाल ही में फिल्म हाउसफुल 5 में नजर आई थीं। तरुण मनसुखानी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अक्षय कुमार, रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, डिनो मोरिया, जैकलीन फर्नांडीज, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर, चित्रांगदा सिंह, फरदीन खान, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, रंजीत, सौंदर्या शर्मा और आकाशदीप साबिर जैसे स्टार्स शामिल हैं।

भूत बंगला वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस

पोस्ट कोविड एरा में बनी अक्षय की तीसरी हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म

300 करोड़ क्लब में होगी एंटर?

भूत बंगला दुनियाभर में खूब पसंद की जा रही है. फिल्म ने दुनियाभर में 279 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है और अब फिल्म की नजरें 300 करोड़ क्लब पर टिकी है. प्रियदर्शन की भूत बंगला बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड ब्रेक कमाई कर रही है. पोस्ट कोविड एरा में ये फिल्म अक्षय कुमार की तीसरी हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म बन गई है. फिल्म अब वर्ल्डवाइड 300 करोड़ कलेक्शन को चेज कर रही है. आइए जानते हैं फिल्म ने अभी तक कितना कलेक्शन किया. रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने इंडिया में नेट 187.71 करोड़ की कमाई कर ली है. वहीं दुनियाभर में फिल्म ने 279.04 करोड़ कमा लिए हैं. ओवरसीज मार्केट में फिल्म ने 57.55 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन किया. फिल्म की नजरें अब 300 करोड़ क्लब में एंट्री पर हैं. इसी के साथ फिल्म ग्लोबली अक्षय कुमार की 7वीं हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म भी बन गई है. फिल्म ने मिशन मंगल को पीछे छोड़ दिया है. वहीं अक्षय की पोस्ट कोविड एरा की फिल्मों की बात करें तो भूत बंगला तीसरी हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म है. भूत बंगला ने 34 दिनों में ओएमजी 2 (220 करोड़), स्काई फोर्स (174.26 करोड़), जॉली एलएलबी 3 (170.26 करोड़), केसरी चैप्टर 2 (149.64 करोड़), बड़े मियां छोटे मियां (111.64 करोड़), सम्राट पृथ्वीराज (90.24 करोड़) और राम सेतु (83.02 करोड़) को पीछे छोड़ दिया है. भूत बंगला का टारगेट अब हाउसफुल 5 और सूर्यवंशी है. हाउसफुल 5 ने 304.12 करोड़ कमाए. वहीं सूर्यवंशी ने 291.14 करोड़ कमाए. फिल्म की बात करें तो इसे प्रियदर्शन ने डायरेक्ट किया है. फिल्म में अक्षय कुमार लीड रोल में हैं. वहीं वामिका गब्बी, मिथिला पालकर, तबु, राजपाल यादव, परेश रावल जैसे स्टार्स हैं. फिल्म में अक्षय कुमार की बहन मिथिला पालकर बनी हैं. अक्षय मिथिला की शादी करवाना चाहते हैं. वो ये शादी अपने पुश्तैनी बंगले में करवाने की कोशिश करते हैं, जिसके बाद फिल्म में काफी ट्विस्ट आते हैं.

कान्स फिल्म फेस्टिवल में छाई बॉम्बे स्टोरीज

सेक्स वर्कर के किरदार पर खुलकर बोलीं अभिनेत्री अनुप्रिया गोयनका

अभिनेत्री अनुप्रिया गोयनका इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म बॉम्बे स्टोरीज को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। यह फिल्म कान्स फिल्म फेस्टिवल में दिखाई जा रही है। किसी भी कलाकार के लिए कान्स तक पहुंचना एक बड़ी उपलब्धि है और अनुप्रिया के लिए भी यह मौका बेहद खास है, क्योंकि यह उनकी पहली इंडिपेंडेंट फिल्म है। फिल्म का निर्देशन राहत शाह काजमी ने किया है और इसकी कहानी मशहूर लेखक सआदत हसन मंटो की चर्चित कहानी हतक से प्रेरित है। फिल्म में समाज के उस हिस्से की कहानी दिखाई गई है, जिसके बारे में अक्सर लोग खुलकर बात नहीं करते। फिल्म बॉम्बे स्टोरीज में अनुप्रिया गोयनका एक सेक्स वर्कर के किरदार में हैं। उनके साथ फिल्म में मौनी रॉय और सुष्मिता सिंह भी अहम भूमिकाएं निभा रही हैं। फिल्म में सेक्स वर्कर्स की जिंदगी, उनके संघर्ष, समाज के नजरिए और उनके भीतर छिपी भावनाओं को दिखाने की कोशिश की गई है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अनुप्रिया ने कहा, मैं लंबे समय से इंडिपेंडेंट सिनेमा का हिस्सा बनना चाहती थीं। मुझे इस बात की बेहद खुशी है कि मेरी पहली फिल्म मंटो की कहानी पर आधारित है। हतक शब्द का मतलब अपमान होता है और फिल्म की कहानी भी इसी भावना के इर्द-गिर्द घूमती है। मेरा किरदार सौगंधी समाज की नजरों और लोगों के फैसलों के बीच खुद को समझने की कोशिश करती है। अभिनेत्री ने अपने किरदार को समझाते हुए कहा, सौगंधी एक ऐसी महिला है, जिसने अपनी जिंदगी को उसी रूप में स्वीकार कर लिया है, लेकिन उसके दिल में भी प्यार और सम्मान पाने की चाहत है। वह चाहती है कि कोई उसे सिर्फ शरीर की नजर से न देखे, बल्कि उसे एक इंसान और एक महिला के रूप में महसूस करे। इस किरदार में मुझे खुद की कई भावनाएं नजर आईं। मैंने इस किरदार को निभाते हुए एक महिला के कई अलग-अलग पहलुओं को समझा और महसूस किया। अनुप्रिया गोयनका ने सेक्स वर्क को लेकर कहा, अगर कोई व्यक्ति अपनी इच्छा से यह काम चुनता है, तो यह उसका अधिकार और उसका फैसला है। इसे किसी दूसरे पेशे की तरह ही देखा जाना चाहिए। लेकिन जब किसी महिला को मजबूरी में इस काम में धकेला जाता है, उसके अधिकार छीन लिए जाते हैं या उसे इंसान की तरह सम्मान नहीं मिलता, तब यह गलत और दुखद बन जाता है। उन्होंने कहा, समाज में सेक्स वर्कर्स को अक्सर सिर्फ एक वस्तु की तरह देखा जाता है, जबकि उनके भी सपने, भावनाएं हैं और उन्हें भी सम्मान की जरूरत होती है। जब तक किसी को उसकी इच्छा के खिलाफ इस काम में मजबूर नहीं किया जाता, तब तक समाज को उसे जज करने का अधिकार नहीं होना चाहिए।

जकड़न से पाना है छुटकारा? रोज सुबह खाली पेट करें मलासन, मिलेंगे ये गजब के फायदे

भारतीय योग परंपरा में शरीर की वृद्धि और ऊर्जा के प्रवाह को संतुलित बनाए रखने के लिए कई महत्वपूर्ण आसनों का वर्णन मिलता है, जिनमें मलासन भी एक प्रभावी योगासन है। इस आसन के नियमित अभ्यास से शरीर का लचीलापन और संतुलन बेहतर होता है।

यह पाचन तंत्र को बेहतर बनाने के साथ रीढ़ की हड्डी को मजबूत करता है और शरीर के निचले हिस्से को प्राकृतिक रूप से स्वस्थ रखने में मदद करता है। साथ ही, यह शरीर की सही मुद्रा और सांसों के साथ बेहतर तालमेल भी बनाता है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने भी इसके अभ्यास को लेकर जानकारी दी है। मंत्रालय के अनुसार, यह स्क्वाट मुद्रा वाला योगासन है, जिसमें घुटनों को मोड़कर और कूल्हों को जमीन की ओर लाकर बैठा जाता है। इसे करने के लिए पैरों को कंधों की चौड़ाई जितना फैलाकर धीरे-धीरे स्क्वाट की मुद्रा में आना चाहिए। मलासन की मुद्रा में छोटे-छोटे संतुलित कदमों के साथ शरीर को स्थिर रखा जाता है। यह आसन सुबह के समय खाली पेट करना सबसे अच्छा माना जाता है, क्योंकि इससे पाचन तंत्र सक्रिय होता है। यह एक ऐसा योगासन है, जो शरीर को स्थिरता देता है और मन को एकाग्र रखने में मदद करता है। यह आसन मूलाधार चक्र को सक्रिय करता है, जिससे मन में सुरक्षा, संतुलन और जागरूकता की भावना बढ़ती है। शारीरिक रूप से मलासन शरीर के कई हिस्सों को मजबूत और लचीला बनाता है। यह नितंब, जांघ, पिंडलियों और कूल्हों की मांसपेशियों को मजबूत करता है, वहीं कूल्हों, कमर, पीठ के निचले हिस्से और टखनों में खिंचाव लाकर अकड़न कम करता है। लंबे समय तक बैठने से शरीर में जो जकड़न आ जाती है, उसे दूर करने में भी यह आसन मददगार होता है। गर्भवती महिलाओं के लिए यह पेल्विक फ्लोर की मांसपेशियों को मजबूत करने वाला एक बेहतरीन अभ्यास माना जाता है। हालांकि, उन्हें इसका अभ्यास करने से पहले अपने डॉक्टर से परामर्श जरूर करना चाहिए। गंभीर घुटने, टखने या पीठ के निचले हिस्से में दर्द की समस्या वाले लोगों को इससे बचना चाहिए। यदि हाल ही में पेट या कूल्हे की कोई सर्जरी हुई हो, तो भी यह आसन नहीं करना चाहिए।

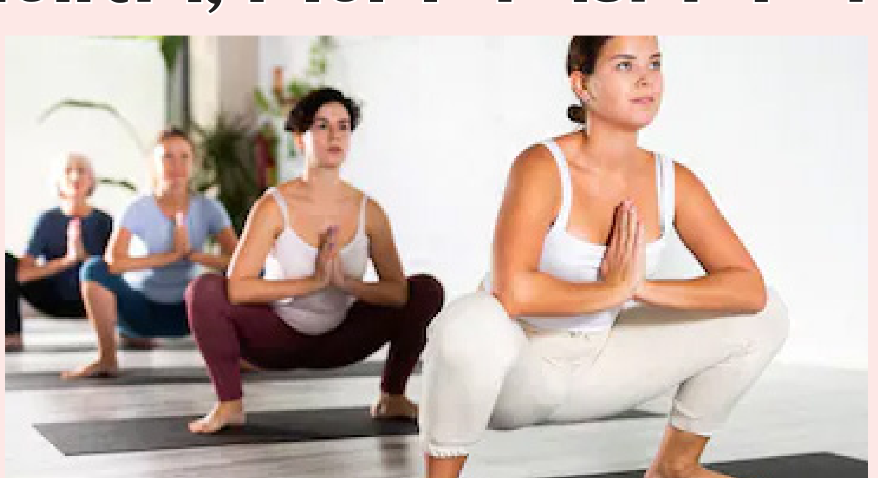

दलाई लामा की मौजूदगी में अद्भुत शांति का हुआ अहसास: भूमि पेडनेकर

हाल ही में अभिनेत्री भूमि पेडनेकर हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला पहुंचीं, जहां उन्होंने तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा से मुलाकात की। अपने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए अभिनेत्री ने इस खास पल को प्रशंसकों के साथ साझा किया, जिसके बाद उनकी पोस्ट तेजी से वायरल होने लगी। भूमि पेडनेकर ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें साझा कीं, जिनमें वह दलाई लामा के साथ शांत माहौल में बैठी नजर आईं। कुछ तस्वीरों में धर्मशाला की खूबसूरत पहाड़ियां, बौद्ध मठ और वहां का आध्यात्मिक वातावरण भी दिखाई दिया। अभिनेत्री ने अपने पोस्ट के कैप्शन में लिखा कि दलाई लामा की मौजूदगी में उन्हें अद्भुत शांति और सुकून का एहसास हुआ। उन्होंने कहा कि वहां बिताया गया समय किसी सपने जैसा लग रहा था और जब वह वापस लौटीं तो उनकी आंखों से आंसू निकल आए। भूमि के अनुसार, इस अनुभव को शब्दों में पूरी तरह व्यक्त करना आसान नहीं है, क्योंकि इसे उन्होंने दिल से महसूस किया। अभिनेत्री ने आगे बताया कि पिछले कुछ समय से वह खुद को समझने और मानसिक शांति की तलाश में हैं। उन्होंने कहा कि जिंदगी में कुछ पल ऐसे होते हैं, जो इंसान को भीतर से बदल देते हैं और उसे भगवान तथा जीवन के प्रति और अधिक आभारी बना देते हैं। भूमि ने कहा कि दलाई लामा से मिलना उनके लिए प्रेम, दया और आध्यात्मिक ऊर्जा से भरा अनुभव था, जिसे वह जिंदगीभर याद रखेंगी। उनकी इस पोस्ट पर प्रशंसकों के साथ-साथ फिल्म इंडस्ट्री के कई कलाकारों ने भी प्रतिक्रिया दी और इस आध्यात्मिक यात्रा की सराहना की। दलाई लामा का जीवन और संघर्ष पूरी दुनिया में चर्चा का विषय रहा है। वर्ष 1959 में तिब्बत में चीन शासन के खिलाफ विद्रोह के बाद हालात बिगड़ गए थे, जिसके चलते दलाई लामा को तिब्बत छोड़ना पड़ा। वह अपने अनुयायियों के साथ हिमालय पार कर भारत पहुंचे थे। उस समय देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने उन्हें भारत में शरण दी थी। बाद में धर्मशाला में तिब्बती निर्वासित सरकार का केंद्र स्थापित किया गया, जो आज भी तिब्बती समुदाय के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। दलाई लामा को भारत में शरण दिए जाने के बाद भारत और चीन के संबंधों में तनाव बढ़ गया था।

Smart border project with Pakistan, Bangladesh to ensure demography change attempt is defeated: Amit Shah

New Delhi, Agency: Declaring the Centre's resolve to put an end to infiltration from across the eastern border, which it sees as a design to introduce unnatural demographic changes, Union home minister Amit Shah on Friday asked BSF to take up the responsibility of identifying infiltrators and their routes by engaging with the local administration and police, so that a structured mechanism could be put in place to prevent illegal border crossings and expel those who have already infiltrated.

Delivering the Rustomji memorial lecture organised by the BSF here, Shah said the force's border guarding abilities were in for a technology boost in the coming year - it being the force's 60th anniversary - with transformation of the border with Bangladesh and Pakistan into 'smart border'. Smart border will deploy tech solutions like drones, radars, smart cameras etc to detect and counter infiltration, narcotics smuggling, cattle smuggling, fake Indian currency circulation and drones ferrying arms and drugs.

Stating that BJP was in office in the border states of Tripura, Assam and West Bengal, Shah said the party believed in expelling each and every infiltrator from the country. He directed BSF not to limit its duties to border guarding but also keep the channels of communication open with the village patwari, police, district collector, block development officer and superintendent of police to gather details on freshly infiltrated individuals, routes of entry and smuggling networks, so that these routes were systematically shut down.

The minister told BSF officials that the high-power demography mission announced by PM Narendra Modi would start working soon and its charter spelt out.

Centre turns on West Bengal funds tap after Suvendu Adhikari's Delhi visit

Kolkata, Agency: Opening its purse strings for Bengal following chief minister Suvendu Adhikari's maiden visit to New Delhi after assuming office on May 9, the Centre on Friday agreed to release Rs 39,000 crore for schemes under the Union water resources ministry. PM Narendra Modi, during his meeting with Adhikari, also assured of support in implementing central projects, many of which were stalled under the previous Trinamool Congress govt led by Mamata Banerjee.

"The Prime Minister assured utmost cooperation and support on behalf of the central govt in the economic development, industry development, employment creation and push for West Bengal," Adhikari posted on his social media account after his meeting with Modi. He said the PM had informed him that Bengal's development and progress remained one of the Centre's top priorities.

The new phase of Centre-state cooperation, centered on welfare and development, paved the way for faster implementation of health and wellness centres under Ayushman Bharat, mohalla clinics, and kick-off of VB G-RAM G, assuring 125 days of wage employment per rural household, from July 1.

On Saturday, Union health minister J P Nadda will hold a virtual meeting with key officials of the state health department to set up Ayushman Arogya Mandir (health and wellness centres under Ayushman Bharat).

Adhikari reached Delhi on Thursday night and headed straight for a meeting with home minister Amit Shah at his residence. The CM had a detailed discussion on security parameters along the Bangladesh border and Shah provided him with 'guidelines' to curb infiltration, sources said. Adhikari also met President Droupadi Murmu and defence minister Rajnath Singh on Friday.

India conducts successful test-launch of Agni-1 ballistic missile

New Delhi, Agency: India on Friday successfully test-fired short-range ballistic missile 'Agni-1' from the Integrated Test Range at Chandipur, Odisha, on Friday. The launch validated all operational and technical parameters. The test was carried out under the aegis of the Strategic Forces Command, a statement from the defence ministry said. The missile, with a range of 700km to 1200km, is capable of carrying both conventional and nuclear warheads and is designed for quick deployment and high mobility.

Developed after the 1999 Kargil war, Agni-1 was created to precisely fill the tactical gap between the 250-km range Prithvi-II and the longer-range Agni-II missile. It is designed to be road-mobile via specialised transporter erector launchers and can also be launched from rail-based platforms.

Gurugram hit by major power outage after transformer blaze disrupts supply

New Delhi, Agency: A major power outage hit Gurugram on Thursday after a fire broke out in the main transformer at the 220 KVA power station in Sector-72, disrupting electricity supply across several parts of the city.

"A power outage occurred in Gurugram after a fire broke out in the main transformer at the 220 KVA power station in Sector-72, causing electricity disruption in multiple areas of the city," said Sandeep Chugh, PRO of Dakshin Haryana Bijli Vitran Nigam (DHBVN), Gurugram. According to officials, seven power substations were affected, leading to outages in sectors 15, 38, 44, 46, 52, 56 and the Maruti 66 KVA power house.

'No access to any of our platforms': Cockroach Janta Party Instagram page hacked

New Delhi, Agency: Cockroach Janata Party founder Abhijeet Dipke on Saturday claimed that his Instagram account and party page were hacked, days after the satirical campaign he launched went viral and attracted massive online engagement.

Dipke said the alleged hacking was part of a wider 'crackdown' on his online presence as multiple accounts linked to him were affected.

In a post on X, Dipke wrote: "Crackdown on Cockroach Janta Party. Instagram page hacked. My personal Instagram hacked. Twitter account withheld Back up account also taken down." He also said that the party do not have access to any of the social media platforms and any post shouldn't be considered an official statement from CJP.

"Please note that we currently do not have access to any of our platforms. Any post made after this should not be considered an official statement from the Cockroach Janta Party," he wrote.

Dipke, a student at Boston University and a former associate of the Aam Aadmi Party, launched the satirical digital campaign barely a week ago. Since then, the platform has gained significant traction online, with its Instagram account reportedly crossing 19 million followers. The 'Cockroach Janta Party' trend emerged following controversy around remarks allegedly made by Chief Justice of India Surya Kant during a hearing on a plea seeking senior designation for a lawyer.

Centre sets up panel to unclog port bottlenecks

New Delhi, Agency: Govt has stepped in to unclog piling up of containers at India's busiest container port, Jawaharlal Nehru Port Authority (JNPA) (Mumbai), and has set up a panel of top officials to remove bottlenecks at all the 12 major ports.

It will meet every week or fortnight to address concerns faced by businesses.The issue of around 35,000-40,000 inbound containers piled up at the JNPA was taken up at a review meeting chaired by commerce minister Piyush Goyal and shipping minister Sarbananda Sonowal. All India Liquid Bulk Importers and Exporters Association representatives attended the meeting.

Media has learnt pile up was due to the inadequate number of lorry drivers available for handing this cargo. In an official statement, shipping ministry said that West Asia bound containers have been rerouted to JNPA, placing additional pressure on port and logistics infrastructure.

Ministries ranked on delays, grievance redressal in first-ever performance review

New Delhi, Agency: For the first time, government has carried out a performance assessment of ministries on various administrative parameters, including delays in clearing of files, grievance redressal and responses to Cabinet proposals. Cabinet secretary T V Somanathan, on Thursday, presented the ranking of ministries and departments on each of these parameters at the meeting of the Council of Ministers.

Media has learnt that the score cards of ministries and departments were prepared by the Cabinet Secretariat and their sharing was intended to usher a sense of competition to end any delay in clearing of files and addressing people's issues quickly. "However, there was no overall ranking of ministries on all the parameters put together. The PM instructed all ministers and officers to fast-track decision making for public good and there is room for any delay or lethargy in taking quick action," said an official.

On Friday, PM Narendra Modi on X said, "Had a fruitful meeting of the Council of Ministers yesterday. We exchanged perspectives and best practices relating to boosting 'Ease of Living, Ease of Doing Business' and how to further reforms in order to realise our shared dream of a Viksit Bharat."

Rajya Sabha polls for 24 seats on June 18; Mallikarjun Kharge, HD Deve Gowda set to retire

New Delhi, Agency: Congress is set to go unrepresented from Gujarat in Rajya Sabha for the first time as Election Commission announced polls for 24 seats in the House on June 18. BJP's two minority faces in govt and Congress chief Mallikarjun Kharge and former PM H D Deve Gowda figure among those retiring from Upper House. Going by current strength of state assemblies, where RS elections will be held on June 18, Congress may gain at least one seat and governing NDA will sweep all four seats in Andhra Pradesh amid possibility of an intriguing contest in at least two states, Jharkhand and Madhya Pradesh, if BJP chooses to do so.

The 24 seats are spread across Andhra Pradesh (4), Gujarat (4), Karnataka (4), Madhya Pradesh (3), Rajasthan (3), Jharkhand (2) and one vacancy each in four northeast states of Arunachal Pradesh, Manipur, Meghalaya and Mizoram.

With Shaktisinh Gohil, the lone Congress MP in RS from Gujarat, retiring and his party lacking numbers to retain the seat, the BJP bastion will no longer have any member from the rival party in RS.

Against the 12 outgoing seats, BJP is all but certain to retain 11 and can bag even more if an ally like TDP backs its nominee or if a few members of rival parties support its nominees, a political manoeuvring it has often pulled off in the past. Union ministers Ravneet Singh 'Bittu' and George Kurian, BJP's Sikh and Christian faces from Punjab and Kerala respectively, will retire from RS next month. Bittu was elected from Rajasthan and Kurian from MP as BJP lacked requisite strength in assemblies of their home states. JD(S) leader Deve Gowda, who is 93, has indicated that he will not be coming back to RS and the numbers in Karnataka assembly anyway suggest that BJP-JD(S) alliance can win only one seat against the three it currently has. Kharge (83), too, is among the retiring members from the state.

While YSR Congress has three outgoing MPs, its rout in the 2024 assembly polls means that it cannot win any seat.

In Jharkhand, NDA is four short of 28 MLAs needed to win one seat.

In MP where former CM Digvijaya Singh is among the three retiring MPs, Congress has 64 MLAs against the 58 needed to win one seat.